



# भारत का राजपत्र

# The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

PART II—Section 3—Sub-section (ii)  
भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 227]

नई विल्ली, बृहस्पतिवार, अप्रैल 26, 1990/देशांक 6, 1912

No. 227]

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 26, 1990/VAISAKHA 6, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह बलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

आमेसुचना

नई विल्ली, 26 अप्रैल, 1990

प्रायकर

का.आ. 354(अ).—प्रायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 295 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एवं बृहदारा प्रायकर नियमावली, 1962 में और संशोधन करते के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, ग्राहीतः—

1. (1) इन नियमों को आयकर (ग्राहर्वा संशोधन) नियमावली, 1990 कहा जाएगा।

(2) ये नियम जून, 1990 के प्रथम दिन से लागू होंगे।

2. आयकर नियम, 1962 में, परिविष्ट-II में, प्रायकर भूम्या 2 और 3 के स्थान पर, निम्नलिखित प्रारूप रखे जाएंगे, ग्राहीतः—

संख्या २

पाप की पितरणी

[नियम 12(1)(ब)(i) देखिए]

## रमीद मं

## तारीख: २०१८ अगस्त १५

(कृपया इस प्रलेप को भरने से पहले संतुष्ट  
टिप्पणी छानपूर्वक पढ़ें)

[कंपनियों और धारा 11 के प्रधीन सूट का दावा करने वालों से मिल) निधारितियों के लिए जिनकी फुल धर्य के अन्तर्गत "कारदार या धृति के लाभ और अधिकार" भी हैं।

- मूल/संशोधित/भारा 148/237 के प्रभाव
  - यदि संशोधित विवरणी है तो मूल विवरणी काइल करने का रसी संबंधीक भौत तारीख

$$\boxed{\quad \quad \quad \quad \quad} - \boxed{\quad \quad} = 19 \boxed{\quad \quad}$$

5. नाम (पहुँचे उपनाम) (स्पष्ट अकारों में)

- ### 9. कार्यालय का पक्ष (स्पष्ट अधिकारों में)

देलीप्रेस

पिन

100 111 111

टेलीफोन

10 of 10

पिन

10 of 10

- ### ११. कृपया लिखिएः

- |   |          |
|---|----------|
| (क) क्या आप भारत के लाभिक हैं ?   | हाँ/नहीं |
| (ख) क्या आप भारतीय उद्यम के व्यक्ति हैं ?   | हाँ/नहीं |
| (ग) क्या आप अनिकासी भारतीय हैं जिनके भामले में प्रायः के किसी भाग पर भव्याय 12के उपर्यों के अनुसार कर लगाया जाएगा ? | हाँ/नहीं |
| (यदि हाँ तो कृपया पूछक पत्रे पर चौटारा दें)   |          |

- (८) क्या यह आपका पहला निर्धारण है? हाँ/नहीं

(९) क्या आपको धन-कर के लिए निर्धारण किया गया है? हाँ/नहीं

(१०) यह आपने किसी दोहरे कराधान से राहत का दावा किया है?

  - विदेशों से करार के प्रथम न। हाँ/नहीं
  - उन देशों के बारे में जिनके साथ कोई करार नहीं है देश का नाम हाँ/नहीं

12. पर्याप्ति के मामले में, प्रकृति सं. 11/11क/12 प्रस्तुत करने की रसीद संलग्नक भीर तारीख (जो लागू न हो) उसे काट दीजिए।

भाग-1 आय जिसके अन्तर्गत अन्य व्यक्तियों की आय भी है जो विवरितों की कुल आय में सम्मिलित किए जाने योग्य है और शुद्ध हृषि आय की संगता क. बेतन

सरकारी हाँ/नहीं

नियोजक का नाम और पता

1. बेतन (भासी खसों सहित)

2. घटाइए आय 10 के अधीन छूट प्राप्त करते

(क)

रु.

(ख)

रु.

(ग)

रु.

(घ)

रु.

3. अतिथेष (1—2)

4. जोड़िए

(क)

रु.

(ख)

रु.

(ग)

रु.

(घ)

रु.

5. योग (3 + 4)

रु.

6. कटौती कीजिएः

(क) मानक कटौती

रु.

(ख)

रु.

(ग)

रु.

7. 6 की कटौतियों का योग

रु.

8. बेतन शीर्ष के अधीन प्रभाव आय (5—7)

रु.

अ. गृह संपत्ति से आय

1. संपत्ति का पता

2. स्वयं के अधिकार में

हाँ/नहीं

3. आ.कि.मू./वार्षिक किराया

रु.

4. घटाइएः

(क)

रु.

(ख)

रु.

(ग)

रु.

5. 4 का योग

रु.

6. अतिथेष (3—5)

रु.

7. अर्पण कटौतियाः

(क) मरम्मत

रु.

(ख)

रु.

(ग)

रु.

(घ)

रु.

(ङ)

रु.

(च)

रु.

(ज)

रु.

(झ)

रु.

8. 7 का योग

रु.

9. गृह संपत्ति से आय शीर्ष के अधीन प्रभाव आय (6—8)

रु.

## ग. कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाभ

1. कारबार या वृत्ति (सट्टे के कारबार से भिन्न) :	जोड़िए		
लाभ और हानि जेबा के प्रत्यापात्र शुद्ध लाभ हानि			
2. समायोजन :	जोड़िए	कटौती कीजिए	
_____	रु.	रु.	
3. समायोजन का योग	रु.	रु.	
4. उपर्युक्त $1 \pm 3$ में समायोजनों के प्रत्यापात्र अतिशेष		शुद्ध लाभ/हानि	रु.
5. अरजिस्ट्रीकृत कर्म (कर्मी) के लाभ और हानि में अंश			रु.
6. समायोजन	जोड़िए	कटौती कीजिए	
_____	रु.	रु.	
_____	रु.	रु.	
_____	रु.	रु.	
7. समायोजनों का योग	रु.	रु.	
8. उपर्युक्त $5 \pm 7$ में समायोजनों के प्रत्यापात्र अतिशेष		शुद्ध लाभ/हानि	रु.
9. अरजिस्ट्रीकृत कर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय के लाभ या हानि में अंश			रु.
10. समायोजन :	जोड़िए	घटाइए	
_____	रु.	रु.	
_____	रु.	रु.	
_____	रु.	रु.	
11. समायोजनों का योग	रु.	रु.	
12. उपर्युक्त $9 \pm 11$ में समायोजनों के प्रत्यापात्र अतिशेष		शुद्ध लाभ/हानि	रु.
13. योग (4, 8 और 12 का परिणाम)			रु.
14. घटाइए पूर्ववर्षों से अप्रतीत अनामेलित हानियाँ या भत्ते	(क) _____ (ख) _____ (ग) _____	योग	रु.
15. (सट्टे के कारबार से भिन्न) कारबार या वृत्ति से प्रभार्य आय (प्रथम, 11 या 14 का परिणाम)			रु.
16. सट्टे का कारबार			रु.
17. समायोजन :	जोड़िए	घटाइए	
_____	रु.	रु.	
_____	रु.	रु.	
_____	रु.	रु.	
18. समायोजनों का योग	रु.	रु.	
19. $16 \pm 18$ का अतिशेष		शुद्ध लाभ/हानि	रु.
20. सट्टे के कारबार से उस विहार तक प्रग्रामीत हानियाँ जिन्हें 19 के विरुद्ध मुजराई दी जा सकती हैं			रु.
21. सट्टे का कारबार से प्रभार्य आय (19—20)			रु.
22. कारबार या वृत्ति से शुद्ध प्रभार्य आय ( $15 + 21$ )			रु.

प. पूजी अभिलाख

## प्रत्यक्षालिक प्राप्तियो

## दीर्घकालिक आस्तीयो

1. अंतरित प्राप्ति की विशिष्टियों	_____	_____	_____	_____
2. अन्तरण के पूर्व धारण अवधि	_____	_____	_____	_____
3. अन्तरण की तारीख	_____	_____	_____	_____
4. प्रतिफल का गुरुत्व	_____ रु.	_____ रु.	_____ रु.	_____ रु.
5. कटौतियाँ :				
(i) ग्रंथ की लागत	_____ रु.	_____ रु.	_____ रु.	_____ रु.
(ii) सुशार की लागत	_____ रु.	_____ रु.	_____ रु.	_____ रु.
(iii) अंतरण की लागत	_____ रु.	_____ रु.	_____ रु.	_____ रु.
6. 5 की कटौतियों का योग	_____ रु.	_____ रु.	_____ रु.	_____ रु.
7. अतिशेष (4-6)	_____ रु.	_____ रु.	_____ रु.	_____ रु.
8. अन्य कटौतियाँ घटाइए	_____ रु.	_____ रु.	_____ रु.	_____ रु.
9. अतिशेष (7-8)	_____ रु.	_____ रु.	_____ रु.	_____ रु.
10. जोड़िए :				
बहु रकम जो पूजी अभिलाख भवानी गई है (इन्हाँ विनिर्दिष्ट करें)				
(क)	_____ रु.	_____ रु.	_____ रु.	_____ रु.
(ख)	_____ रु.	_____ रु.	_____ रु.	_____ रु.
11. योग [10(क) + 10(ख)]	_____ रु.	_____ रु.	_____ रु.	_____ रु.
12. योग (9 ± 11)	_____ रु.	_____ रु.	_____ रु.	_____ रु.
13. दीर्घकालिक प्रस्तियों से संबंधित भवनीत की गई हानियों घटाइए :	_____ रु.	_____ रु.	_____ रु.	_____ रु.

## 14. पूजी अभिलाख की शुद्ध रकम

प्रत्यक्षालिक पूजी अभिलाख  
दीर्घकालिक पूजी अभिलाख\_\_\_\_\_ रु.  
\_\_\_\_\_ रु.

## इ प्रत्य स्रोतों से आय

1. (क) लाभांश	_____ रु.	
(ख) व्याज	_____ रु.	
(ग) लाटरी, बगं पहंची, दोङ आदि से जीत	_____ रु.	
(घ) अन्य	_____ रु.	
2. 1(क') से 1(घ) का योग		_____ रु.
3. घटाइए : कटौतियाँ (इन्हाँ विनिर्दिष्ट करें)	_____ रु.	
	_____ रु.	
	_____ रु.	
4. 3 की कटौतियों का योग		_____ रु.
5. अन्य स्रोतों से शुद्ध प्रभार्य आय (2-4)		_____ रु.

## न. कुल आय का विवरण

1. (क) येतन	(मद क-४)	र.		
(ख) गृह संपत्ति से आय	(मद ख-५)	र.		
(ग) कारबाह या बृति का आध और अभिनाश	(मद ग-३२)	र.		
(घ) पूजी अभिनाश				
(i) अल्पकालिक पूजी अभिनाश	र.			
(ii) शीर्षकालिक पूजी अभिनाश	(मद छ-१४)	योग र.		
उ. अस्य स्वतोत्रों से आय	(मद झ-५)	र.		
2. मकाल कुल आय (क से झ तक)		र.		
3. घटाइएः आज्ञाय ८-क के अधीन कटौतियाँ		र.		
4. अतिशेष (२-३)		र.		
5. कुल आय (वस हपए के विकटतम गुणज तक पूर्णकिस)		र.		
6. कुल आय (माछों में)	लाख	हजार	सैकड़े	बहाइयाँ
	_____	_____	_____	_____
7. भुदु कृषि आय वर के प्रयोजनों के लिए		र.		
8. मद क से इ भक में सम्मिलित आय को रकम जो पर्ति या गती/प्रवर्सक संपादन/पुत्र की पर्नी/पुत्र को प्रवर्सक मंतान या किसी अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों के संगम को उत्प्रभूत होने वाली आय है।		र.		
9. ऐसे व्यक्ति का नाम और नातेदारी—				
10. मद क से इ भक में सम्मिलित आय जिस पर विशेष दर से कार प्रभाय है		र.		

## भाग 2. करोंका विवरण

1. कूल आय पर कर

- (क) विशेष दरों से \_\_\_\_\_ रु.  
 (ख) गमान्य दरों से \_\_\_\_\_ रु.

2. घटाइएः (क) धारा 89(1) के प्रधीन राहत

- (ख) प्ररिस्त्रीकृत कर्म/व्यक्ति संगम/  
 व्यष्टि निकाय से अंग आय की बाबत  
 आयकर की असत दर से रिबेट \_\_\_\_\_ रु.

योग \_\_\_\_\_ रु.

3. अतिशेष (1-2)

\_\_\_\_\_ रु.

4. जोखिएः

- (क) विनंब से विवरणी काइल करने पर व्याज \_\_\_\_\_ रु.  
 (ख) प्रथिम कर के संदाय में व्यतिक्रम के लिए व्याज \_\_\_\_\_ रु.  
 (ग) प्रथिम कर के आम्यग के लिए व्याज \_\_\_\_\_ रु.

योग \_\_\_\_\_ रु.

5. मरेय कूल कर और व्याज (3+4)

\_\_\_\_\_ रु.

6. पूर्व संदत्त कर :

(क) प्रथिम कर की किस्तें (चालान संलग्न कीजिए)

	पहली	दूसरी	तीसरी	योग
रकम (रुपए)				
तारीख				
बैंक का नाम				
शाखा				

(ख) जोत पर कटौती किया गया कर (प्रमाणपत्र संलग्न कीजिए)

- (i) बेतन \_\_\_\_\_ रु.  
 (ii) व्याज \_\_\_\_\_ रु.  
 (iii) लाभांश \_\_\_\_\_ रु.  
 (iv) कोई अन्य मद (कृपया विविदिष्ट कीजिए) \_\_\_\_\_ रु.

योग \_\_\_\_\_ रु.

रकम
संदाय की तारीख   भद्र 4 के प्रभुसार व्याज

| [ ] | [ ] | 19 | [ ] | \_\_\_\_\_ रु. | योग | \_\_\_\_\_ रु.

8. अन्य पूर्व संदत्त कर, यदि कोई हो (विविदिष्ट करें और मदूत संलग्न करें) \_\_\_\_\_ रु.

9. मद (6 से 8) का योग \_\_\_\_\_ रु.

10. सदैय अतिशेष शुद्ध कर (प्रथित 5 और 9 का योग) \_\_\_\_\_ रु.

## भाग-3. कारबाह या वृति से सुंसात जागकारी

## 1. मामाल्य विविधण :

(क) निव नाम से कारबाह/वृति चलाई जाती है

---



---

(ख) भाक्षा (गांधारी) का नाम और पना/गो

---



---

(ग) कारबाह या वृति की प्रकृति

---



---

(घ) सेवा पद्धति : वाणिज्यिक/गक्कड़/भित्रित

---



---

(ज) रटाक मस्ताकन पद्धति

---



---

## 2. फर्म/व्यापिक संगम/व्यष्टि निकाय के मामले में कृप्या सिस्टेमिक अतिरिक्त जागकारी प्रस्तुत कीजिए :

क्रम सं.	भागीदार/संवाल का नाम	लाभ के द्वेष का घनूपाल	भागीदार/संवाल को संवत्सर	भागीदार/संवाल को संवत्सर	भागीदार/संवाल को संवत्सर
(क)	(ख)	(ग)	(घ)	(ज)	(च)

## 3. कारबाह या वृति के लाभ और प्रभिलाभ से आय की संगणना में कटौती की जाने वाली रकम

क्रम सं.	विविधण	रकम (₹.)
(क)	प्रबलयण	
(ख)		
(ग)		
(घ)		
(ज)		
(च)		
(अ)		
(ष)		
(ष)		
(अ)		
(ट)		
(ठ)		

## भाग 4—आय जिसके लिए छट का बाबा किया गया है

1.	आय की प्रकृति	रकम (रु०)	दावे के लिए कारण
(क)			
(ख)			
(ग)			
(घ)			

## भाग 5—संलग्न उपबन्धों/विवरणों का सूचा

2.

- (क)
- (ख)
- (ग)
- (घ)
- (ज)
- (झ)
- (झ)
- (ज)
- (झ)

## 3. मत्तवापन

मैं ..... (स्पष्ट ग्रन्थरों में पूरा नाम) जो ..... \*का पुत्र/सी पुत्रों/पत्नी हूं, सत्यनिष्ठा से घोषणा करता/करती हूं कि इस विवरण और इससे संलग्न उपबन्धों और विवरणों में कोई जानकारी मेरे सत्त्वात्मक ज्ञान और विश्वास के प्रनुसार नहीं है और पूर्ण है और उनमें विशिष्ट कुल आय को रकम और अन्य विविधियों का उल्लेख सही-सही किया गया है और ये निर्धारण वर्ष 19 □□-□□ से मुसंगत पूर्व वर्ष (वर्षों) के संबंध में हैं।

\*मैं सत्यनिष्ठा से यह घोषणा भी करता/करती हूं कि उक्त पूर्व वर्ष (वर्षों) के दौरान--

(क) मुझे मेरे नाम में या किसी अन्य व्यक्ति के नाम में शारित किसी भास्ति से कोई अन्य आय न तो प्रोट्सून हुई है, और न प्राप्त हुई है;

(ख) किसी अन्य व्यक्ति की आय महिने में या कोई अन्य आय नहीं है जिसकी आवश्यकता मेरा निर्धारण किया जा सकता है।

\*मैं सत्यनिष्ठा से यह घोषणा भी करता/करती हूं कि उक्त पूर्व वर्ष (वर्षों) के दौरान--

(क) उस व्यक्ति को, जिसके लिए और जिसकी ओर से यह विवरणी दी जा रही है, \*उस व्यक्ति को, जिसकी कुल आय की आवश्यकता मेरा निर्धारण किया जा सकता है, \*उस व्यक्ति को, जिसके लिए और जिसकी ओर से यह विवरणी दी जा रही है, \*उस व्यक्ति के, जिसको कुल आय की आवश्यकता मेरा निर्धारण किया जा सकता है, नाम में या किसी अन्य व्यक्ति के नाम में शारित किसी भास्ति से कोई अन्य आय न तो प्रोट्सून हुई है, न उप्सून हुई है;

(ख) किसी अन्य व्यक्ति की आय महिने में या कोई अन्य आय नहीं है जिसकी आवश्यकता उक्त व्यक्ति आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन कर से प्रभावी है।

\*मैं यह भी घोषणा करता/करती हूं कि मैं यह विवरणी ..... (पत्रनाम) को हैमियत से तैयार कर रहा/रही हूं और मैं यह विवरणी नैयार करते और इसको सत्यापित करने के लिए मजबूत हूं।

स्थान--

तारीख--

\*\* (नाम और हस्ताक्षर)

\*जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

\*अंधेष्ठा पर हातेधार करने के पूर्व हातेधारकों को अपना ममान कर लेता चाहिए कि यह विवरणी और इसके साथ के उपबन्ध और विवरण सही और सभी प्रकार से पूर्ण है। कोई भी व्यक्ति जो इस विवरणी या इसके साथ के उपबन्ध या विवरणों में कोई मिथ्याकथन करेगा, आयकर अधिनियम, 1961 की आग 277 के अधीन अधियोजन के लिए दायां दोगा और दोपसिहि पर उक्त आय के अधीन कठिन कायबास और जुमनि दण्डनीय से होगा।

प्रलेप सं०

## टिप्पणी

[आय-कर अधिनियम, 1961/2  
नियम 12(1)(ख) (i)]

## सामान्य

I. प्रलेप सं० 2 (कंपनियों और धारा 11 के श्रद्धीन पूँछ का दावा करने वालों से भिन्न) ऐसे निर्धारितियों के लिए है जिनकी कुल आय के अन्तर्गत “कारबार या बृति के लाभ और अभिलाभ” भी हैं।

II. सभी भाग और स्तम्भ इसके नीचे उपबंधित रीति से भरे जाने चाहिये। यदि कोई भाग या स्तम्भ लागू न हो तो, कृपया ‘लागू नहीं होता’ उल्लिखित करें और कोई चिह्न या प्रतीक अंकित न करें।

III. इन टिप्पणी में प्रत्येक पृष्ठ के नीचे जो संख्यांक दिए गए हैं वे आय की विवरणी से संबंधित पृष्ठों पर तस्थानी मद संख्यांक को निर्दिष्ट करते हैं।

IV. इन टिप्पणी में धाराओं और नियमों के जो निर्देश हैं वे क्रमशः आय-कर अधिनियम, 1961 और आय-कर नियम, 1962 की धाराओं और नियमों के प्रति निर्देश हैं।

V. इन टिप्पणी को प्रलग कर लिया जाए और निर्धारिती द्वारा रखा जाए।

## पृष्ठ 1

1. जो लागू न हो उसे काट दें। यदि यह विवरणी निर्धारण वर्ष 1990-91 के लिए है और पहली बार फाइल की गई है तो यह मूल विवरणी है। यह उपदर्शित करने के लिए “मूल” को छोड़ दें और बाकी काट दें, जैसे: मूल/संशोधित/धारा 148/237 के श्रद्धीन

2. यह निर्धारण वर्ष उपर्याप्त करें जिसके लिए विवरणी फाइल की गई है। (निर्धारण वर्ष वित्तीय वर्ष के ठीक बाद के बारह मास की अवधि का है। इस प्रकार 1-4-1989 से 31-3-1990 की अवधि के लिए निर्धारण वर्ष 1990-91 होगा।)

3. यदि यह संशोधित विवरणी है तो, पहले मूल विवरणी की रसीद संख्या दें और तब उसे फाइल करने की तारीख। उदाहरणार्थ : यदि मूल विवरणी 15-6-1990 को फाइल की जाती है और उसके लिए विभाग ने रसीद सं० 4210 जारी की है तो उसे खानों में इस प्रकार उपदर्शित किया जाएगा :

4	2	1	0	.	1	5	.	0	6	.	1	9	9	0
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

4. करदाता को दिए गए स्थायी लेखा संख्या का यहाँ कृत्रिम दिया जाएगा। यदि यह इस प्रकार अभी तक नहीं दिया गया है तो जी० आई० आर० संख्यांक यदि कोई हो लिखें। यदि दोनों नहीं दिए गए हैं तो ‘नहीं दिया गया’ लिखें।

5. अपना नाम स्पष्ट अक्षरों में लिखें। उपनाम पहले दें। प्रत्येक नाम के पश्चात एक खाना छोड़ दें। उदाहरणार्थ, सत्य प्रकाश शर्मा के लिए लिखें:

श	र्मा	स	त्य	प्र	का	श
---	------	---	-----	-----	----	---

6. प्रारिष्टि उपदर्शित करने के लिए कृपया निम्नलिखित कोड नंबर का प्रयोग कीजिए:

- |  |    |
|--|----|
| (क) व्यक्ति  | 01 |
| (ख) हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब (नीचे उल्लिखित से भिन्न)  | 02 |
| (ग) हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब जिसके कम से कम एक सदस्य की कुल आय पूर्व वर्ष में 18000 रु० से अधिक है | 03 |
| (घ) अरजिस्ट्रेक्ट फर्म   | 04 |
| (ङ) रजिस्ट्रीकृत फर्म (उससे भिन्न जो बृति में लगी है)  | 05 |

(च) रजिस्ट्रीकृत फर्म जो वृत्ति में लगी है।	06
(छ) व्यक्तियों का संगम	07
(ज) व्यक्तियों का संगम (न्यास)	08
(झ) व्यष्टि मिकाय	09
(अ) कृत्रिम विधिक व्यक्ति	10
(ट) सहकारी सोसाइटी	11
(ठ) स्थानीय प्राधिकारी	16

उदाहरण : उस हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब की वशा में जिसके कम से कम एक सदस्य की कराधेय आय 18000 रु. से अधिक है सही कोड नंबर 03 होगा।

7. निवास प्राप्तिशील उपर्युक्त करने के लिए, निम्नलिखित कोड नंबर का प्रयोग कीजिए :

निवासी	...	01
अनिवासी	...	02
निवासी किन्तु मामूली तौर पर निवासी नहीं...	03	
सुसंगत उपबन्ध धारा 6 में हैं।		

8. यहां उस आय-कर वार्ड/सर्किल/रेंज का जहां निर्धारण हुआ है/होना है, नाम लिखिए। यदि आपकी जानकारी नहीं है तो कृपया आयकर कार्यालय के जन संपर्क अधिकारी से या आवत्ती काउंटर पर मालूम करें।

9. और 10. अपने कार्यालय और निवास का पिन कोड और टेलीफोन नंबर सहित यदि कोई हो, पूरा पता दें।

11. जो लागू न हो, उसे काट दें।

12. कृपया दी गई खाली जगह में प्ररूप सं. 11/11क / 12, जैसी भी स्थिति हो, की रसीद सं. और फाइल करने की सारीख का उल्लेख कीजिए।

## पृष्ठ -2

### क. वेतन

नियोजकों के नाम और पते दें। यदि आप सरकारी नियोजन में हैं तो 'नहीं' काट दें। किसी अन्य दशा में 'हाँ' काट दें।

1. यहां निर्धारण वर्ष के संबंध में जिसके लिए विवरणी दी जा रही है, नियोजक से प्राप्त/प्राप्त सकल वेतन उपर्युक्त करें। [उदाहरणार्थ, वेतन जिसके अन्तर्गत वेतन की बकाया या वेतन अधिम भी है, उस सूची के बदले में जिसका उसने उपभोग नहीं किया है, प्राप्त कोई संदाय, बोनस, मज़बूरी, फीस, पेंशन (जिसके प्रत्यार्पण का संराशित मूल्य है), ऐय कोई वार्षिकी या उपदाम (जाहे संदर्भ हो या अनुज्ञात) और मकान किराया और सभी अन्य नकद भत्ते]। एक से अधिक नियोजकों से प्राप्त/प्राप्त वेतन को सकल वेतन में सम्मिलित करें। सुसंगत उपबन्ध आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 16 और धारा 17 में हैं।

किसी व्यष्टि की दशा में, यदि कोई ऐसी रकम उपदाम के रूप में जालू वर्ष में या पूर्व वर्ष में प्राप्त हुई हो, जिसके लिए सूट का दावा किया गया है तो एक पृथक विवरण संलग्न किया जाए।

2. यहां उस परिभाषा तक भत्ते उपर्युक्त करें जिस तक वे धारा 10 के अधीन सूट प्राप्त हैं।

3. यहां अतिशेष उपर्युक्त करें (अर्थात् 1--2)।

4. वेतन के बदले में परिविक्षयों और लाभों के मूल्य को जोड़ें। प्रत्येक मद को उसके घनीय मूल्य सहित दिए गए संबंधों में अलग-अलग विनिर्दिष्ट करें। यदि स्थान अपर्याप्त हो तो सांपृथक पश्चा संलग्न करें।

नियोजक द्वारा प्रदत्त परिलिङ्गियां निम्नलिखित हो सकती हैं:

- (i) मुफ्त या रियायती वास सुविधा—धारा 17(2)(i) और (ii)
- (ii) मुफ्त या रियायती फायदे। सुख-सुविधाएं—धारा 17(2)(iii)
  - (क) प्रब्रह्मण—नियम 3(ग)
  - (ख) गैस, बिजुल, जल—नियम 3(ध)
  - (ग) घरेलू या वैयक्तिक सेवाएं
  - (घ) वैयक्तिक यात्रा
  - (ङ) अन्य कोई मद (व्यौरे दीजिए)
- (iii) निर्धारिती की बाध्यताओं की बाबत नियोजक द्वारा संदाय (जिनमें बालकों की शिक्षा, आय-कर आदि सम्मिलित हैं) और नियोजक द्वारा जीवन भीमा तो वार्षिकी के लिए सदैव राशियां—धारा 17(2)(vi) और (v)

5. यहां मद 3 और 4 की राशि दीजिए। कृपया वेतन प्रभाणपत्र संलग्न करें।

6. यहां वेतन आय से अनुज्ञेय कटौतियों का दावा कीजिए। प्रत्येक मद अलग-अलग विनिर्दिष्ट करें, जैसे:

- मानक कटौती : वेतन के 33-1/3 प्रतिशत के राशि या बारह हजार रुपए इनमें से जो भी कम हो, कराधेय वेतन की संगणना में अनुज्ञात है।
- सत्कार भत्ता—धारा 16(ii)
- वृत्ति कर—धारा 16(iii)

7. यहां सकल वेतन में से दावा की गई कटौतियों की कुल रकम दीजिए।

8. यहां “वेतन” शब्द के अधीन प्रभार्य शुद्ध आय उपदर्शित कीजिए।

#### ख. गृह संपत्ति से आय

1. कृपया संपत्ति (संपत्तियों) का/को पूरा/पुरे ढाक पता/पते दीजिए। यदि निर्धारिती एक से अधिक संपत्तियों का स्वामी है तो कृपया उसका एक अलग कागज पर उल्लेख कीजिए और उसे विवरणी के साथ संलग्न कीजिए।
2. यह उपदर्शित करने के लिए कि संपत्ति स्वामी के अधिभोग में है या नहीं, यथास्थिति “हाँ” या “नहीं” शब्द को काट कीजिए।

3. यहां वार्षिक किराया भूल्य या प्राप्त/प्राप्य वार्षिक किराया, इनमें से जो भी अधिक हो, उपदर्शित करें। यदि आप एक से अधिक गृह संपत्ति के स्वामी हैं, यहां उपदर्शित स्तंभों को प्रयोग करते हुए कृपया ऐसी प्रत्येक मंपति के बारे में पृथक् संगणना दें।

4. यहां धारा 23 के अधीन अनुज्ञेय कटौतियों का दावा कीजिए, जैसे:

- (क) नगरपालिका कर, निर्धारिती कटौती का तभी दावा करें जब वे (i) उसके द्वारा वहन किए जाते हैं, किराएदार द्वारा नहीं, और
- (ii) वर्ष के दौरान संदर्भ किए गए हैं। कृपया ऐसे संदाय का गबूत संलग्न करें।
- (ख) नव मनिर्माण भत्ता/मुसंगत उपबन्ध धारा 23(1) के दूसरे परन्तुक में दिए गए हैं।
- (ग) यदि ऐसी एक या अधिक संपत्तियां स्वामी के अधिभोग में स्वयं उसके निषास के प्रयोजनों के लिए हैं तो वे संपत्ति जिसके बारे में निर्धारिती कि उनका धारा 23(2) के उपबन्धों के अनुसरण वार्षिक भूल्य कुछ नहीं माना जाए, विनिर्दिष्ट की जाएंगी। कटौती के प्रत्येक मद, उसके अधीन दावा की गई कटौती-योग्य रकम महित अलग-अलग विनिर्दिष्ट करें।

5. यहां धारा 23 के अधीन बावा की गई कटौती की कुल राशि उपदर्शित की जानी है।

6. यहां अतिषेष उपदर्शित करें (अर्थात् 3—5)

7. यहां धारा 24 के अधीन कटौतियां उपदर्शित करें (प्रत्येक मद अलग-अलग विनिर्दिष्ट करें), जैसे :

(i) मरम्मत-निर्धारिती वाषिक मूल्य के पष्ठांण का मरम्मत के रूप में हकदार है, यदि उसे किराएदार द्वारा वहन नहीं किया जाता है—धारा 24(1)(i)

(ii) बीमा-धारा 24(1)(ii)

(iii) वाषिक प्रभार-धारा 24(1)(iv)

(iv) भूमि का किराया—धारा 24(1)(v)

(v) उधार ली गई पूँजी पर ब्याज—धारा 24(1)(vi)

(vi) भू-राजस्व धारा—24(1)(vii)

(Vii) संग्रहण प्रभार (अनुज्ञेय परिसीमा, वास्तविक व्यय या वाषिक किराया मूल्य का 6 प्रतिशत इनमें जो भी कम हो, है)—धारा 24(1)(viii)

(viii) रिक्त रहने का भना—धारा 24(1)(ix)

(ix) किराया जो बसूल नहीं किया जा सकता—धारा 24(1)(x)

8. यहां धारा 24 के अधीन बावा की गई कटौती की कुल राशि उपदर्शित की जानी है।

9. यहां “गृह संपत्ति में आय” शीर्ष के अधीन प्रभार्य शुद्ध आय (अर्थात् 6—8) इसमें उपदर्शित की जानी है।

### पृष्ठ-3

#### ग. कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाभ

1. कारबार या वृत्ति (सट्टे के कारबार से भिन्न)

कृपया आय की संगणना में संबंधित निम्नलिखित महत्वपूर्ण दस्तावेजों/जानकारी विवरणी के माय प्रस्तुत कीजिए :

I. यदि नियमित लेखा-पुस्तके रखी जाती हैं तो निम्नलिखित प्रतियां संलग्न कीजिए :

(क) विनिर्माण लेखा, व्यापार लेखा, लाभ और हानि लेखा या आय और व्यय लेखा अथवा ऐसा ही कोई अन्य लेखा और तुलन-पत्र।

(ख) यदि—

(i) कोई सांपत्तिक कारबार या वृत्ति है तो स्वत्वधारी का वैयक्तिक लेखा;

(ii) कोई फर्म, व्यक्ति-संगम या व्यष्टि निकाय है तो भागीदारों या सदस्यों के उनके अपने-अपने लेखे;

(ग) जहां निर्धारिती के लेखाओं की संपरीक्षा की गई है, वहां संपरीक्षित लाभ और हानि लेखा तथा तुलनपत्र और संपरीक्षक की रिपोर्ट और लागत संपरीक्षा रिपोर्ट (यदि लागू हो) की प्रतिया।

**II.** यदि नियमित लेखा-पुस्तकों नहीं रखी जाती हैं तो एक विवरण संलग्न कीजिए, जिसमें कारबाह या बूसि के आवती या मकल प्राप्तियों, सकल लाभ, व्यय और शुद्ध लाभ की रहमें तथा वे श्राधाग जिन पर इन रकमों की संगणना की गई है, उपदर्शित होंगे और जिसमें कुल अन्यान्य व्येणियों, अन्यान्य लेनदारों की रकमों व्यापार स्टाक और नकद अतिशेष की स्थितिजैसी कि वह पूर्व वर्ष में थी, बताई गई हो।

**III. (क) (i)** यदि लेखाओं की संपर्गिता धारा 44क्षव ने अधीन की जाती है तो अपेक्षित विशिष्टियों गहित ऐसी संपरीक्षा रिपोर्ट।

(ii) यदि निर्धारिती ने नियात कारबाह के लिए प्रतिधारित लाभ की बाबत धारा 80जजग के अधीन कटौती का दावा किया है तो अपेक्षित विशिष्टियों सहित कटौतियों से संबंधित लेखापाल की रिपोर्ट।

(iii) यदि निर्धारिती ने धारा 32क्षव या 80जजग या 80जजव के अधीन कटौती का दावा किया है तो ऐसी कटौती/कटौतियों की बाबत, जिनका दावा किया गया है, लेखापाल की रिपोर्ट (रिपोर्टें)।

(ख) यदि धारा 44कग, 44ख, 44खख और 44खखक के उपबन्ध लागू होते हैं तो उनकी बाबत व्यौरे दीजिए।

**IV.** संविदा कार्य में लगे निर्धारिती द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली अतिरिक्त जानकारी : यदि उस व्यक्ति द्वारा दी जाने वाली सामग्री का मूल्य, जिसके साथ संविदा की गई है या जिसके द्वारा प्रतिधारित प्रतिभूति निक्षेप की रकम को (किए गए काम के लिए देय संदाय में मे) दर्शित सकल प्राप्तियों में सम्मिलित नहीं किया गया है, तो कृपया सामग्री का मूल्य और प्रतिभूति निक्षेप की रकम को दर्शित करने वाला विवरण संलग्न करें।

**V.** चलचित्र फिल्मों के उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली अतिरिक्त जानकारी : कृपया यह उपदर्शित करें कि क्या चलचित्र फिल्मों के उत्पादन में लगे व्यक्तियों को संदाय का व्यौरा धारा 285व के अधीन संबद्ध निर्धारण अधिकारी को प्रस्तुत कर दिया गया है।

**VI.** किसी व्यापारी, दलाल, अभिकर्ता या स्टाक या वस्तु विनिमय के प्रबन्ध से संबंधित कोई व्यक्ति, उन सभी व्यक्तियों के नाम और गतों का लाइन प्रस्तुत करेगा जिन्हें उसने या प्रवस्त्रें ने पूर्व वर्ष में कोई राशि या संकलित राशियां संदर्भ वी हीं :

(क) 'अन्तर' के रूप में 2,000 रुपए से अधिक;

(ख) आस्तियों के अन्तरण के संबंध में 10,000 रुपए से अधिक, जहाँ वे आस्तियों के विक्रय के रूप में हो, विनिमय के रूप में हो या किसी और रूप में, या जिसकी और से या जिससे उसने या एक्सचेंज ने कोई राशि प्राप्त की है, विशिष्टियों सहित (ऐसे संदायों और प्राप्तियों की रकम, तारीख आदि)।

**VII.** यदि निर्धारिती ने पूर्व वर्ष के दौरान किराया, कमीशन, रायल्टी या दलाली या वार्षिकी का (जो "वेतन" शीर्ष के अधीन निर्धारण योग्य वार्षिकी नहीं है), और जो एक हजार रुपए से अधिक है, संदाय किया है तो पाने वालों के नाम और पते तथा रावत रकमें दर्शित करने हुए (संदाय की प्रकृति के अनुसार) विवरणी के साथ एक ग्रलग कागज पर अलग-अलग विवरण प्रस्तुत किया जाना चाहिए। यदि पाने वाला व्यक्ति अनिवासी है तो यह उपर्युक्त किया जाना चाहिए कि क्या कर वी स्रोत पर कटौती की गई है और उस केन्द्रीय सरकार के नाम जमा कराने के लिए संदर्भ किया गया है या नहीं। कृपया 10,000 रुपए से अधिक मूल्य के विक्रय और क्रय के मामलों में व्यक्तियों के नाम और सकल रकमों को अन्तर्विष्ट करने वाली विवरण भी संलग्न करें।

**VIII.** यदि निर्धारिती धारा 192, 193, 194व, 194ख, 194खख, 194ग, 194घ, 194ङ या 195 के अधीन स्रोत पर कर की कटौती के दायित्वाधीन है तो उल्लेख कीजिए कि क्या संबंधित निर्धारण अधिकारी को विहित विवरणियां प्रस्तुत कर दी गई हैं और ऐसी विवरणी (विवरणियां) प्रस्तुत करने की तारीख (तारीखें) विनिर्दिष्ट कीजिए।

## लाभ और हानि लेखा के अनुसार शुद्ध लाभ/हानि

यहाँ कारबार/वृत्ति (सट्टे के कारबार से भिन्न) से लाभ और हानि लेखा के अनुसार लाभ/हानि का उल्लेख कीजिए। जहाँ निर्धारितों का एक से अधिक कारबार या वृत्ति है या किसी समाप्त कर दिए गए कारबार/वृत्ति से कोई समझा जाने वाला आय या आय है वहाँ ऐसे प्रत्येक कारबार/वृत्ति के लिए संशोधना (इस उपभाग में विये गए उसी प्रकृति का प्रयोग करते हुए) अलग कागज पर दी जानी चाहिए और उसे विवरणी के साथ संलग्न किया जाना चाहिए।

### 2. समायोजन

(क) कृपया ऐसी रकमों के परिवर्धन और कटौतियों को उपदर्शित कीजिए जिन्हें धारा 28 से 44ग तक के अनुसार लाभ/हानि लेखा में समायोजित नहीं किया गया है।

(ख) कृपया विवरणी के साथ निम्नलिखित भी प्रस्तुत करें :

#### I. अवक्षयण भत्ता के संबंध में विशिष्टियाँ :

(क) आस्तियों के प्रत्येक ब्लाक की बाबत :

(i) पूर्व वर्ष के आरम्भ में उन आस्तियों का वर्णन जो ब्लाक का भाग है उनका अवलिखित मूल्य वर्ष के दौरान खरीदा गई आस्तियों का वर्णन और लागत तथा वर्ष के दौरान बेचा गई किसी आस्ति का वर्णन और विक्रय कीमत ;

(ii) वर्ष के अन्त में अवलिखित मूल्य;

(iii) वह दर जिस पर अवक्षयण का दावा किया गया है और अवक्षयण की रकम।

(ख) उन आस्तियों का विवरण जो आस्तियों के ब्लाक का भाग है और वर्ष के दौरान शत-प्रतिशत अवक्षयण के लिए पात्र है। कृपया यह भी उल्लेख कीजिए कि क्या इन आस्तियों में से किसी का वर्ष के दौरान विक्रय किया गया था और यदि ऐसा है तो ऐसी प्रत्येक आस्ति की बाबत विक्रय कीमत का अलग-अलग ब्यौरा दीजिए।

(ग) उन आस्तियों का विवरण जो आस्तियों के ब्लाक का भाग है, जो विष्मान है किन्तु जिसका अवलिखित मूल्य घटा कर शून्य कर दिया गया है क्योंकि किसी ऐसी शास्ति के अन्तरण पर, जो ब्लाक का भाग है, वर्ष के दौरान प्राप्त प्रतिफल का कुल मूल्य वर्ष के दौरान खरीदी गई उस ब्लाक की शास्ति की लागत महित वर्ष के आरंभ में उक्त ब्लाक के अवलिखित मूल्य से अधिक है।

#### II. विनिधान भत्ता, विनिधान निषेप लेखा की बाबत विशिष्टियाँ :

(क) वर्ष के दौरान खरीदे गये ऐसे पोत या बायुयान या प्लांट या मशीनरी का ब्यौरा जिसकी बाबत विनिधान भत्ते का दावा किया गया है और उसकी दर (शास्ति के अर्जन के मर्मधन में सबूत भी संलग्न कीजिए)।

(ख) विनिधान निषेप लेखा स्कीम, 1986 के अनुसार विकास बैंक में किए गए निषेप (निषेपों) का ब्यौरा [धारा 32क्ष्य (1)(क)] निषेप (निषेपों) का सबूत संलग्न कीजिये।

(ग) ऐसे पोत या बायुयान या प्लांट या मशीनरी का ब्यौरा जिसकी बाबत विनिधान निषेप लेखा के अधीन कटौती का दावा किया गया है [धारा 32 क्ष्य (1)(ख)] (क्य के मर्मधन में सबूत संलग्न कीजिए)।

(घ) विनिधान निषेप लेखा स्कीम, 1986 या विनिधान निषेप लेखा स्कीम, 1986 (चाय) के अनुसार निकाली गई रकम से खरीदी गई आस्तियों का ब्यौरा [नई आस्ति के क्षय, यथास्थिति, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक या राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक से निकाली गई रकमों और निकाले जाने की तारीख (तारीखें)] से संबंधित सबूत संलग्न कीजिए।

(ङ) राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक से निकाली गई रकम (रकमों) में से विनिधान निषेप लेखा स्कीम, 1986 (चाय) के अनुसार उपग्रह व्यय का रकम का विभाजन और निकाली गई रकम (रकमों) को तारीख (तारीखें) देते हुए, ब्यौरा।

3. जोड़िए और कटौती कीजिए वाले स्तंभों के नीचे (समायोजनों) को संकलित रकम अलग-अलग उपदर्शित कीजिए।
4. शुद्ध नाम/हानि (अर्थात् 1 और 3 के समायोजनों के पश्चात् अतिशेष) यहां उपदर्शित किया जाना चाहिये।
5. रजिस्ट्रीकृत फर्म (फर्मों) के लाभ/हानि में अंश : स्थान एक फर्म से प्राप्त होने वाले अंश को उपदर्शित करने के लिए है। यदि निर्धारित एक में अधिक रजिस्ट्रीकृत फर्मों में भागीदार हैं तो यहां उपदर्शित इन्हीं स्तंभों का उपयोग करते हुए रजिस्ट्रीकृत फर्मों के लाभ/हानि में ऐसे अंश का अलग-अलग उल्लेख कोजिये और उसे विवरणी के साथ लगाइए। कृपया फर्म (फर्मों) में व्यक्तिकृत लेखा (लेखाओं) की प्रति (प्रतियों) को संलग्न कोजिये।
6. समायोजन: “जोड़िए” और “कटौती कीजिए” स्तंभों के नीचे उन परिवर्धनों और कटौतियों का उल्लेख कीजिए जिनकी बाबत निर्धारिती ऊपर 5 में दर्शित रजिस्ट्रीकृत फर्म के लाभ/हानि में अंश के संबंध में दायित्वाधीन है/उसका हकदार है और जिनकी ऐसी रजिस्ट्रीकृत फर्म के मामले में पहले समायोजन नहीं किया गया है।
7. जोड़िए और कटौती की जाए वाले स्तंभों के नीचे समायोजनों की संकलित रकम अलग-अलग उपदर्शित कीजिए।
8. यहां शुद्ध लाभ/हानि (अर्थात् 5 और 7 के समायोजनों के पश्चात् अतिशेष) उपदर्शित किया जाना चाहिये।
9. I. कृपया यहां दिए गए स्थान में अलग-अलग अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्तिसंगम/व्यष्टि निकाय के लाभ या हानि में अंश का उल्लेख कीजिए और इन सभी का कुल जोड़ बाहरी स्तंभ में ले जाइए (जो लागू न हो उसे काट दीजिये) यदि दिया गया स्थान पर्याप्त नहीं है तो अलग कागज का उपयोग कीजिये और उसे विवरणी के साथ लगाइए।

## II. निर्धारिती को विवरणी के साथ निम्नलिखित भी प्रस्तुत करने चाहिये :

- (i) यदि किसी अरजिस्ट्रीकृत फर्म का भागीदार या किसी व्यक्तिसंगम/व्यष्टि निकाय का सदस्य हो तो ऐसी अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्तिसंगम/व्यष्टि निकाय में उसका/उसके व्यक्तिकृत लेखा (लेखे),
- (ii) समाप्त किए जाने वाले कारब्रार/वृत्ति से संबंधित पूरा व्यौरा अलग कागज पर,
- (iii) धारा 32क/32काख/33कग/80 जजघ (5) के अधीन उसकी आय समझी जाने वाली रकम (रकमों) का व्यौरा,
- (iv) यदि किसी निर्धारिती ने पूर्व वर्ष के दौरान धारा 2(24)(x) में विनिर्दिष्ट किसी निधि के अभिवाय के रूप में किसी कर्मचारी से ऐसी आय प्राप्त की है जो “कारब्रार या वृत्ति के लाभ और अभिलाभ” शीर्ष या “अन्य स्वोतों से आय” शीर्ष के अधीन कर से प्रभार्य है तो ऐसी आय और इसके साथ-साथ धारा 36(1)(Vक) में उल्लिखित नियत तारीख को या उसके पूर्व सुमंगल निधियों में कर्मचारी के लेखा में निर्धारिती द्वारा जमा को गई राशियों का व्यौरा।

## III. यदि दिया गया स्थान पर्याप्त नहीं है तो व्यौरा अलग कागज पर दीजिए और उसे विवरणी के साथ लगाइए।

10. “जोड़िए” और “कटौती कीजिए” स्तंभों के नीचे उन परिवर्धनों और कटौतियों का उल्लेख कीजिए जिनकी बाबत निर्धारिती ऊपर 9 में दर्शित अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्तिसंगम/व्यष्टि निकाय के लाभ/हानि में अंश के सम्बन्ध में दायित्वाधीन है/उसका हकदार है और जिनका ऐसी अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्तिसंगम/व्यष्टि निकाय के मामले में पहले समायोजन नहीं किया गया है।
11. जोड़िए और कटौती कीजिए वाले स्तंभों के नीचे समायोजनों की संकलित रकम को अलग-अलग उपदर्शित कीजिए।
12. शुद्ध लाभ/हानि (अर्थात् 9 और 11 के समायोजनों के पश्चात् अतिशेष) यहां उपदर्शित किया जाना चाहिए।
13. ऊपर 4, 8 और 12 में दर्शित अतिशेषों का मुद्र परिणाम यहां उपदर्शित किया जाए।
14. I. पूर्व वर्षों में अप्रीनीत अनामेलित हानियों/भत्तों को यहां उपदर्शित कीजिए। कृपया मद्दों और रकमों को अलग-अलग विनिर्दिष्ट कीजिए। यदि दिया गया स्थान पर्याप्त नहीं है तो अलग कागज (कागजों) का उपयोग कीजिए और उन्हें विवरणी के साथ लगाइए।

II. यदि जहां लाभ अप्रनीत हानियों/भत्तों तथा चालू अवक्षयण को जागेरित करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं वहां उनकी निम्न-लिखित शब्द से कटौती की जानी चाहिए :

- चालू वैज्ञानिक अनुसंधान व्यय [धारा 35(1)]
- चालू अवक्षयण [धारा 32(1)]
- अप्रनीत कारबार हानियां [धारा 72(1)]
- अनामेलित परिवार नियोजन संवर्धन पूँजी व्यय [धारा 36(1)(ix)]
- अनामेलित अवक्षयण [धारा 32(2)]
- अनामेलित वैज्ञानिक अनुसंधान पूँजी व्यय [धारा 35(4)]
- अनामेलित विकास भत्ता [धारा 32क(2)(ii)]
- चालू विकास भत्ता [धारा 32क(2)(i)]
- अनामेलित विनिधान भत्ता [धारा 32क(3)(ii)]
- चालू विनिधान भत्ता [धारा 32क(3)(i)]

15. यहां 13 और 14 का परिणाम [अर्थात् (सट्टे के कारबार से भिन्न) कारबार/वृत्ति से परिणामी आय/हानि] उपदर्शित कीजिए ।

16. सट्टे के कारबार से उपर्युक्त आय को रकम का उल्लेख कीजिए । यदि यह रजिस्ट्रीकृत फर्म/अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय के अंश को प्रकट करती हैं तो उसका स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाना चाहिए और ऐसी रजिस्ट्रीकृत फर्म/अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय का पूर्ण व्यौरा जैसे भागीदारों/सदस्यों के नाम, उनके लाभ बांटने के अनुपात और ऐसी रजिस्ट्रीकृत फर्म/अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय में निर्धारिती के वैयक्तिक खाते की प्रति भी प्रस्तुत की जानी चाहिए और विवरणी के साथ लगाई जानी चाहिए ।

17. समायोजन : कृपया उन रकमों के परिवर्धन और कटौतियों को उपदर्शित कीजिए जिन्हें या तो लाभ/हानि खाते में समायोजित नहीं किया गया है, या यदि समायोजित किया गया है तो वे अनुक्रम रकमों से अधिक या कम हैं । उन परिवर्धनों और कटौतियों का भी उल्लेख किया जाना चाहिए जिनकी बाबत निर्धारिती रजिस्ट्रीकृत फर्म/अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय के लाभ/हानि में अंश के सम्बन्ध में दायित्वधीन है/उसका हकदार है और जिसका ऐसी रजिस्ट्रीकृत फर्म/अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय के मामले में पहले समायोजन नहीं किया गया है ।

18. समायोजनों को कुल रकम जोड़िए और कटौती कीजिए स्तम्भों के नीचे अलग-अलग उपदर्शित की जानी चाहिए ।

19. शुद्ध लाभ/हानि (अर्थात् 16 और 18 के समायोजनों के पश्चात् अतिशेष) यहां उपदर्शित किया जाना चाहिए ।

20. पूर्ववर्ती वर्ष (वर्षों) से अग्रनीत सट्टे से संबन्धित हानि को यहां उस परिणाम तक दिया जाना चाहिए जिस तक उसकी 19 के प्रति मुजराई दो जा सकती है । पूर्ववर्ती वर्ष (वर्षों) से अग्रनीत शेष सट्टा सम्बन्धी हानि को अलग कागज पर उपदर्शित किया जाना चाहिए ।

21. यहां सट्टे के कारबार से प्रभार्य आय (अर्थात् 19 और 20 का समायोजित अतिशेष) उपदर्शित कीजिए ।

22. 'कारबार या वत्ति में शुद्ध प्रभार्य आय' (अर्थात् 15+21) यहां उपदर्शित कीजिए । यदि 21 की रकम हानि की है तो उसे 15 के प्रति समायोजित नहीं किया जा सकता । ऐसी दशा में 15 की रकम 22 के सामने उपदर्शित की जानी चाहिए ।

#### पृष्ठ 4

##### घ. पूँजी अभिलाभ

1. अन्तरित आस्तियों का विवरण दें । अल्पकालिक और दीर्घकालिक आस्तियों के लिए पृथक स्तम्भ दिए गए हैं । तदनुसार अन्तरित आस्तियों को विशिष्टियां सम्बन्धित स्तम्भों में दी जाए । यदि अन्तरण में दो से अधिक अल्पकालिक/दीर्घकालिक आस्तियां अल्पवर्ती हों तो पृथक संगणना पश्चा, दिए गए फार्म में, विवरणी के साथ संलग्न करें ।
2. यहां अर्जन की तारीख और वह अवधि जिसमें निर्धारिती ने आस्ति धारित की है, उपदर्शित कीजिए ।
3. यहां वह तारीख लिखें जिसको आस्ति अन्तरित की गई है ।
4. यहां वह भक्ति रकम, जो आस्ति के अन्तरण से प्राप्त की गई है/प्राप्त हो, उपदर्शित की जानी है ।

5. कृपया यहां उपदर्शित करें:

- (i) अर्जन की लागत: निर्धारिती धारा आस्ति के अर्जन में उपगत लागत है या धारा 49 और धारा 55(2) के निवन्धनों के अनुसार लागत।
- (ii) सुधार की लागत: 'गुलविल' के सम्बन्ध में यह 'शून्य' है जबकि अन्य आस्तियों के सम्बन्ध में यह आस्ति के सुधार में उपगत लागत है—धारा 55(1)(ख)।
- (iii) अन्तरण की लागत: यह अन्तरण के सम्बन्ध में लागत है—धारा 48(1)(क)(i)।

6. यहां 5 की कटौतियों की कुल राशि उपदर्शित करें।

7. यहां अतिशेष रकम (4—6) उपदर्शित करें। यदि इसका परिणाम हानि हो तो, उसे (—) अण चिन्ह द्वारा उपदर्शित करें।

8. अन्य कटौतियां: यहां अल्पकालिक और दीर्घकालिक पूँजी अभिलाभों के सम्बन्ध में अनुज्ञेय कटौतियां अलग-अलग उपदर्शित की जाएंगी। कृपया प्रत्येक मद, उसके अधीन कटौती-योग्य रकम सहित विनिर्दिष्ट करें। यदि स्थान अपर्याप्त हो तो पन्ना का प्रयोग करें। ये कटौतियां अनुज्ञेय नहीं होगी यदि 7 के अतिशेष का परिणाम हानि हो।

अनुज्ञेय कटौतियां निम्नलिखित हैं:

#### I. अल्पकालिक पूँजी अभिलाभ :

- (i) यह रकम जो धारा 54छ(1), 54(ब्र)(1) या 54छ(1) के अधीन छूट प्राप्त है।
- (ii) यह रकम जो धारा 54छ(2), 54ब्र(2) या 54छ(2) के अधीन जमा की गई है।

#### II. दीर्घकालिक पूँजी अभिलाभ :

- (i) यह रकम जो धारा 53, 54(1), 54(ब्र)(1), 54ब्र(1), 54छ(1) या 54छ(1) के अधीन छूट प्राप्त है।
- (ii) यह रकम जो धारा 54(2), 54ब्र(2), 54ब्र(2), 54छ(1), 54छ(4) या 54छ(2) के अधीन जमा की गई है।
- (iii) धारा 48(2) के अधीन

9. कृपया यहां अतिशेष रकम (7—8) उपदर्शित करें। यदि 7 के अतिशेष का परिणाम हानि हो तो उसे यह दोहराया जाए।

10. यहां "पूँजी अभिलाभ" शीर्ष के अधीन आय समझी गई रकम उपदर्शित करें। कृपया प्रत्येक मद, उसके अधीन सम्मिलित किए जाने योग्य रकम सहित अलग-अलग विनिर्दिष्ट करें। ऐसी समझी गई आय से संबंधित सुसंगत उपबंध धारा 45(2)/(3)/(4)/(5), 50, 54(2), 54ब्र(2), 54ब्र(2), 54छ(2), 54छ(4) और 54छ(2) में है।

11. यहां पूँजी अभिलाभ समझी गई कुल रकम इसमें उपदर्शित की जानी है। यह अल्पकालिक और दीर्घकालिक आस्तियों के संबंध में अलग-अलग उपदर्शित की जाए।

12. यहां अल्पकालिक और दीर्घकालिक पूँजी अभिलाभों के लिए 9 और 11 के शुद्ध परिणाम अलग-अलग उपदर्शित करें।

13. यहां दीर्घकालिक आस्तियों से संबंधित पूर्वोत्तर वर्षों में अग्रनीत हानि उपदर्शित करें।

14. यहां "पूँजी अभिलाभ" शीर्ष के अधीन अल्पकालिक और दीर्घकालिक पूँजी अभिलाभ/हानि की शुद्ध रकम उपदर्शित करें।

इ. अन्य स्रोतों से आय :

1. (क) कृपया लाभांश की सकल उल्लिखित करें। निम्नलिखित जानकारी देते हुए पृथक पन्ना संलग्न करें:—
  - (i) कंपनी का नाम;
  - (ii) शेयरों की संख्या;
  - (iii) लाभांश की सकल रकम;
  - (iv) स्रोत पर कटौती किया गया कर।

यदि निर्धारिती ने धारा 2(22)(ग) के अधीन उल्लिखित प्रकृति की कोई राशि प्राप्त की है और जो लाभांश समझी गई है तो कंपनी का नाम और पता, प्राप्त संदाय की प्रकृति और इस प्रकार राशि बताते हुए विवरण प्रस्तुत करें।

कृपया लाभांश अधिपत्र और अन्य समर्थक साक्ष्य संलग्न कीजिए।

(ख) कृपया प्राप्त किए गए/प्राप्त व्याज की सकल रकम को उल्लिखित करें। प्राप्त किया गया/प्राप्त व्याज की प्रत्येक मद के संबंध में जानकारी देते हुए पृथक पश्चा संलग्न करें और समर्थक साक्ष्य संलग्न करें।

(ग) यहा लाटरी, बग पहली और दौड़ आवि से हुई जीत की सकल रकम लिखें और यदि दो या अधिक मदें हों तो पृथक संगणना संलग्न करें, और समर्थक साक्ष्य संलग्न करें।

(घ) 'अन्य स्रोतों से आय' शीर्ष के अधीन प्रभायं अन्य आय विविदिष्ट करें।

2. यहां सकंल प्राप्तियों की कुल राशि उपदर्शित की जानी है।

3. मदधीन दावा की गई कटौतियों की मदें और रकमें विविदिष्ट करें। सुसंगत उपबंध धारा 57 में हैं।

4. यहां दावा की गई कटौतियों का योग उपदर्शित करें।

5. यहां "अन्य स्रोतों से आय" शीर्ष के अधीन प्रभायं शुद्ध आय (अर्थात् 2—4) लिखें।

पृष्ठ 5

च. कुल आय का विवरण

1. यहां आय के विभिन्न शीर्षों के अधीन मद क से उ के सामने कर से प्रभायं शुद्ध रकमों का उल्लेख कीजिए। यह वही होनी चाहिए जो क्रमाः मद क 8 और ख 9 के सामने पृष्ठ 2 पर, मद ग 22 के सामने पृष्ठ 3 पर और मद घ 14 और 5 के सामने पृष्ठ 4 पर उपदर्शित की गई हैं।

2. यहां क से उ की कुल राशि उपदर्शित की जाए।

3. I. यहां अध्याय 6-क के अधीन दावा की गई कटौतियों उपदर्शित की जाएं। इन कटौतियों की संक्लित रकम योग में दिखाये जाएं।

II. कृपया संदाय/अभिदाय की सकल रकम की संगणना, अहंक रकम और दावा की गई कटौती की शुद्ध रकम लिखें। यदि दिया गया स्थान अपर्याप्य हो तो, संगणना, पृथक पश्च पर दें और उसे विवरणी के साथ संलग्न करें।

III. कृपया दावा के समर्थन में संदाय/अभिदाय का सबूत भी संलग्न करें।

अध्याय 6-क के अधीन पात्र कटौतियों का संबंध निम्नलिखित से है :

(i) जीवन बीमा प्रीमियम, भविष्यन्ति अभिदाय, आवासिक संपत्ति के ऋषि/संनिर्माण के लिए सरकार/बैंक आदि से लिए गए उधारों की किस्त/आंगिक संदाय/प्रतिसंदाय अहंक रकमों की संपूर्ण अधिकतम सीमा लेखक, नाटककार, कलाकार, संगीतज्ञ, अभिनेता या खिलाड़ी (जिसके अंतर्गत खेलकूद में भाग होने वाला है) की विशा में 60,000 रुपया और किसी व्यष्टि या हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब या व्यक्तियों के किसी संगम या व्याप्तियों के किसी निकाय की दशा में 40,000 रु० है। इस धारा के अधीन कटौती की गणना इस प्रकार की जाएगी :

पहले 6000 रु०	100 प्रतिशत
अगले 6000 रु०	50 प्रतिशत
अतिरीप	40 प्रतिशत (धारा 80 ग)

(ii) कुछ नए शेयरों में अधिकतम विनिधान 20,000 रु० तक। कटौती, विनिधान की गई रकम के 50 प्रतिशत की दर से अनुज्ञात है। उधाहरणार्थ वह निर्धारिती जो 25,000 रु० का विनिधान करता है, 10,000 रु० (अर्थात् 20,000 रु० का अधिकतम सीमा का 50 प्रतिशत) कटौती प्राप्त करेगा। (धारा 80 गग)

(iii) राष्ट्रीय बचत स्कीम, 1987 के अधीन निक्षेप या जीवन बीमा निगम की आस्थगत वाषिकी योजना में संदाय। ये अधिकतम सीमा 30,000 रु० के अधीन रहते हुए, 100 प्रतिशत की दर से कटौती योग्य हैं। (धारा 80 गगक)

- (iv) चिकित्सा बीमा के लिए साधारण बीमा नियम को संदर्भ प्रीमियम। चिकित्सा बीमा के लिए संदर्भ प्रीमियम की बाबत अधिकतम सीमा 3000 रु० है। (धारा 80४)
- (v) कर्तिपय निधियों, पूर्व संस्थाओं आदि को दान कर्तिपय निधियों, पूर्व संस्थाओं आदि को केवल वही नकद दान धारा 80४ के अधीन कटौती के लिए पात्र होगा जिसका योग 25.0 रु० से अधिक है। संपूर्ण अधिकतम सीमा सकल कुल आय की 10 प्रतिशत है (जिसमें से वह रकम घटा दी जाएगी जिस पर कोई कर संदेश नहीं है या जिसके प्रति निर्देश से करदाता अध्याय 6-के अधीन किसी कटौती का हकदार है)। (धारा 80४)
- (vi) सुरक्षित या असुरक्षित निवास स्थान के लिए संदर्भ किराया। करदाता, जो कोई मकान किराया भत्ता प्राप्त नहीं कर रहा है, वर्गीकृत शहरों में से किसी एक में जिसमें नगर बस्ती भी है, स्थित निवास स्थान के लिए संदर्भ किराये की बाबत कटौती का पात्र है। कुल आय के 10 प्रतिशत से अधिक संदर्भ किराया की बाबत, संपूर्ण अधिकतम सीमा 1000 रु० प्रतिमास या कुल आय के 25 प्रतिशत के, इनमें से जो भी कम हो, अधीन रहते हुए, कटौती अनुज्ञेय है। (धारा 80४)
- (vii) वैज्ञानिक अनुसंधान, ग्राम विकास के लिए दान/वैज्ञानिक अनुसंधान या ग्राम विकास या प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए कर्तिपय दानों की बाबत धारा 80४-के अधीन 100 प्रतिशत कटौती उपलब्ध है।
- (viii) कुछ शर्तों के अधीन रहते हुए, पिछड़े खेतों में नये स्थापित औद्योगिक उपकरणों या होटल कारबार से लाभों और अभिलाभों का 20 प्रतिशत। (धारा 80 जज्ब)
- (ix) कुछ शर्तों के अधीन रहते हुए, कुछ खेतों में नए स्थापित लघु औद्योगिक उपकरणों से लाभों और अभिलाभों का 20 प्रतिशत। (धारा 80 जज्ब-क)
- (x) कुछ शर्तों के अधीन रहते हुए, भारत से बाहर परियोजनाओं से लाभों और अभिलाभों का 50 प्रतिशत। (80 जज्ब)
- (xi) कुछ शर्तों के अधीन रहते हुए, विनिर्दिष्ट माल या वाणिज्य के नियात से, यदि विक्रय आगम संपर्कवर्तनीय विदेशी मुद्रा में प्राप्त है प्राप्त लाभों और अभिलाभों का 100 प्रतिशत। (धारा 80 जज्ब)
- (xii) कुछ शर्तों और विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के अधीन रहते हुए, विदेशी पर्यटकों के प्रति की गई सेवाओं के लिए अनुमोदित होटलों या यान्त्र अभिकर्ताओं या पर्यटन आपरेटरों की आय, यदि प्राप्तियां लाभ और हानि लेखा में नामे डाले गए और आरक्षित लेखा में जमा किए गए सुसंगत पूर्व वर्ष के ऐसे लाभ के अतिशेष को जोड़ कर, ऐसी सेवाओं से लाभ के 50 प्रतिशत तक विदेशी मुद्रा में संपर्कवर्तनीय है। (धारा जज्ब)
- (xiii) कुछ शर्तों के अधीन रहते हुए, 31-3-1981 के पश्चात् स्थापित औद्योगिक उपकरणों से लाभों और अभिलाभों का 20 प्रतिशत। (धारा 80-क)
- (xiv) लाभांश, व्याज, आय आदि। कर्तिपय शेयरों, यूनिटों आदि में लाभांश, निक्षेपों पर व्याज के रूप में आय, 13000 रु० की संपूर्ण अधिकतम सीमा तक कटौती के लिए पात्र है। (धारा 80-ठ)
- (xv) परिवर्तनीय सीमाओं और कर्तिपय शर्तों के अधीन रहते हुए, सहकारी सोसाइटियों की विनिर्दिष्ट आय। (धारा 80-त)
- (xvi) कुछ शर्तों के अधीन रहते हुए भारतीय शापाओं में पाक्षगुस्तकों के लेखाओं की वृत्तिक प्राप्त का 25 प्रतिशत। (धारा 80४-क)
- (xvii) प्राचायरों, शिक्षकों आदि की दशा में कर्तिपय विदेशी स्कॉलों से पारिश्रमिक-प्रैम पारिश्रमिक का 50 प्रतिशत धारा 80-इ के अधीन कटौती के लिए पात्र है।
- (xviii) कुछ शर्तों के अधीन रहते हुए लेखकों, नाटकारों, कलाकारों संगीतज्ञों, अभिनेताओं या खिलाड़ियों (जिनके अंतर्गत खेलकूद में भाग लेने वाले भी हैं) की दशा में विदेशी स्कॉलों से वृत्तिक आय का 25 प्रतिशत। (धारा 80-दव)
- (xix) भारत के बाहर की गई सेवाओं के लिए प्राप्त पारिश्रमिक-संपूर्ण अधिकतम सीमा ऐसे पारिश्रमिक की 50 प्रतिशत या भारत में विदेशी मुद्रा विनिमय के अनुसार लाए गए पारिश्रमिक का 75 प्रतिशत, इनमें से जो भी अधिक हो, है। (धारा 80-ददक)

- (20) उन व्यक्तियों द्वारा, जो पूर्णतः अन्धे हैं या स्थायी रूप से विकलांग हैं या मानसिक मंदता से ग्रस्त हैं, 15,000 रु० की कटौती का दावा किया जा सकता है। (धारा 80य)
4. यहां कर में प्रभार्य कुल आय (2-3) दी जानी है।
  5. और 6. यहां उपबंधित रीति से इस रूपए के निकटतम गुणज तक पूर्णांकित कुल आय का शब्दों और अंकों वालों में उल्लेख दीजिए।
  7. यहां सुसंगत विचार अधिनियम की पहली अनुमूल्यों के भाग 4 के अनुमार संगणित शुद्ध कृषि आय दी जानी है।
  8. यहां अन्य व्यक्तियों को उद्भूत आय, जो निर्धारिती की कुल आय में सम्मिलित की गई है, दी जानी है।
  9. यहां ऐसे अन्य व्यक्ति का नाम और नातेदारी दीजिए।
  10. यदि किसी आय पर कर, विशेष दर से जैसे लाटी अद्वितीय से जीत की बाबत धारा 115 खंड के अधीन या अनिवासी भारतीय की वशा में धारा 115डॉ के अधीन या अधिनियम के किसी अन्य उपबंध के अधीन अधिकतम मार्जिन दर से प्रभार्य है तो उसका व्यौरा पूर्थक पन्ने पर दीजिए।

## भाग 2. करों का विवरण

1. यहां कुल आय पर संदेय कुल कर दिया जाना है।
2. यहां उपदर्शित करें:
  - (क) धारा 89(1) के अधीन राहत
  - (ख) अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यक्ति निकाय से शेयर आय की बाबत आयकर की औसत दर से रिक्वेट।
3. यहां संदेय आयकर की अतिशेष रकम उपदर्शित करें (अर्थात् 1-2)
4. यहां विलम्ब से विवरणी फाइल करने के लिए, अग्रिम कर के संदाय में व्यतिक्रम के लिए या अग्रिम कर के आस्थागत के लिए प्रभार्य ब्याज अलग-अलग दीजिए। इनकी संगणना धारा 234क धारा 234ख और धारा 234 ग में अधिकथित रीति से की जाएगी।
5. यहां संबेद्य कर और ब्याज की कुल रकम (3+4) उपदर्शित की जानी है।
6. इन प्रयोजनों के लिए दिए गए तत्संबंधी स्तंभों में (क) अग्रिम कर की किस्तों और (ख) स्रोत पर कटौती किए गए करों का व्यौरा हैं। धारा 206 ग के अधीन स्रोत पर संगृहीत कर 'कोई अन्य मद' के सामने उपदर्शित किया जाएगा।
7. स्वतः निर्धारण पर (अर्थात् विवरणी फाइल करने से पहले) संदत्त कर और ब्याज का व्यौरा वें और इस प्रकार संदत्त रकम के समर्थन में चालान संलग्न करें।
8. यहां अन्य पूर्व संदत्त कर, यदि कोई हों, उपदर्शित किए जाने हैं। कृपया ऐसे समुदाय का सबूत संलग्न करें।
9. यहां संदत्त कर की कुल राशि दी जानी है (अर्थात् 6+7+8)।
10. यहां यथास्थिति, संदेय या प्रतिदेय शुद्ध कर, उपदर्शित किया जाना है। प्रतिदाय को उपदर्शित करने के लिए इसे अट्ठा (-) के चिह्न से वर्णिए।

पृष्ठ-6

भाग—III

## कारबार या वृत्ति से संबंधित व्यौरा

1.

- (क) वह/वे पूरा नाम और पता/पते दीजिए जिसमें/जहां कारबार/वृत्ति की जाती है। यदि दिया गया स्थान पर्याप्त नहीं है, तो कृपया ऐसा/ऐसे नाम और पता(पते) अलग-कागज पर लिखें और विवरणी के साथ संलग्न करें।

(ब) शाखा (शाखाओं) का (के) पूरा नाम और पता (पते) दीजिए।

(ग) कारबाह की दशा में कृपया यह विनिर्दिष्ट कीजिए कि यह व्यापार/विनिर्माण/थोक/खुद्रा विक्रिय/निर्यात/आयात आदि है और वह/वे सुधूय मद (मदें) कौन सी है/हैं जिनका व्यापार किया जा रहा है। यदि वृत्ति है तो वृत्ति के नाम का उल्लेख कीजिए।

(घ) सूमगत पर रिशान लगाइए और अन्य को काट दीजिए।

(ङ) कृपया उल्लेख कीजिए कि यह “लागत” या “बाजार कीमत” या “अन्य” है। यदि “अन्य” है तो उसका नाम और पद्धति दीजिए।

2. कृपया यहां समुचित स्थानों में पूर्ण जानकारी दीजिए।

3. 1. यहा कारबाह या वृत्ति के लाभों और अभिलाभों से आय की संगणना में दावा की गई कटौतियों की विनिर्दिष्ट विशिष्टयां दीजिए। यदि कटौती का दावा विनिधान निषेप लेखा की बाबत किया जाता है तो कृपया आवश्यक प्रमाणपत्र संलग्न कीजिए।

2. कृपया दिए गए स्थान में अवधारण के कारण की गई कटौती को उपर्युक्त कीजिए। शेष स्थान का प्रयोग निम्नलिखित के संबंध में अनुशेष्य कटौतियों को उपर्युक्त करने के लिए कीजिए :

मद	धारा
( 1 ) विनिधान मत्ता	3.2क
( 2 ) विनिधान निषेप लेखा	3.2कख
( 3 ) विकास भत्ता	3.3क
( 4 ) चाय विकास भत्ता	3.3कख
( 5 ) पुनर्वास भत्ता	3.3ब्र
( 6 ) वैज्ञानिक अनुसंधान पर व्यय	3.5
( 7 ) पेटेंट अधिकार या प्रतिलिप्यधिकार पर व्यय	3.5क
( 8 ) अवधार ज्ञान पर व्यय	3.5कख
( 9 ) संगठनों और संस्थाओं को	
(क) ग्रामीण विकास कार्यक्रमों तथा	3.5गगक
(ख) प्राकृतिक संमाधनों के संरक्षण के कार्यक्रमों को	3.5गगख
करने के लिए संदाय	
( 10 ) प्रारम्भिक व्ययों का उपकरण	3.5ब
( 11 ) कुछ खनिजों के पूर्वेक्षण पर व्यय	3.5ड
( 12 ) कर्मचारियों को बोनस	3.6(i)(ii)
( 13 ) उधार ली गई पूँजी पर व्याज	3.6 ( 1 )(iii)
( 14 ) छूट अर्हण	3.6 ( 1 )(vii)
( 15 ) सत्कार व्यय	3.7
( 16 ) निम्नलिखित पर व्यय :	
(म) विज्ञान	3.7
(झ) यात्रा	3.7

पृष्ठ 7

भाग-4

आय जिसके लिए छूट का दावा किया गया है।

1. यहा आय जिसके लिए छूट का दावा किया गया है, उपर्युक्त वीं आएगी। ऐसी आय की मद के लिए जिसके लिए छूट का दावा किया गया है, कृपया उसकी प्रकृति, वह रकम जिसके लिए छूट का दावा किया गया है और उस दावे के लिए कारण विनिर्दिष्ट करें।

## **भाग- 5 संलग्न दस्तविजों/विवरणों की सूची**

- यहाँ आय की विवरणी के साथ संलग्न दस्तावेजों/विवरणों का पूरा व्यौरा दें।
  - उस पर हस्ताक्षर करने में पहले मत्यापन के नीचे विए गए विनिर्देशों को ध्यानपूर्वक गड़े। मत्यापन में सभी संक्षण स्तंभों को धरें। उपर्युक्त स्पष्ट में स्थान और तारीख लिखें।

प्रस्तुप सं. ३

## प्राय की विवरणी

रसीद सं० १

[नियम 12(1)(ख)(iii) देखिए]

तारीख

[ऐसे निर्धारितयों के लिए (कंपनियों और उन व्यक्तियों से, जो पूर्त और धार्मिक रयोजनों के लिए धारित संपत्ति से आय प्राप्त करते हैं तथा धारा 11 के अधीन छूट का दावा करते हैं, भिन्न) जिनकी कुल आय के अन्तर्गत कारबाहर या बहिर्भूत के लाभ और अभिलाभ नहीं हैं।]

(कृपया इस प्रस्तुप को भरने से पहले संलग्न टिप्पणी  
ध्यानपूर्वक पढें)

- मूल/संशोधित/धारा 148/237 के अधीन
  - यदि संशोधित विवरणी है तो मूल विवरणी फाइल करने का रसीद  
संख्यांक और तारीख
  - 19
  - नाम (पहले उपनाम) (स्पष्ट अक्षरों में)

2. निधरिण वर्ष 19    -

4. स्थायी लेखा संख्यांक/जी. आई. आर. सं०

A horizontal row of ten empty square boxes, each with a vertical line through its center, intended for marking responses.

### 5. नाम (पहले उपनाम) (स्पष्ट अक्षरों में)

## 6. प्रास्थिति [ ]

## 7. निवास प्रास्थिति

#### 8. वार्ड/सकिल/रेज

### 9. कार्यालय का पता (स्पष्ट अधिग्रनों में)


#### 10. निवास का पता (स्पष्ट अक्षरों में)

### 11. कृपया लिखिए :

- |   |          |   |          |
|---|----------|---|----------|
| (क) क्या आप भारत के नागरिक हैं ?  | हाँ/नहीं | (घ) क्या यह आपका पहला निधारण है ?                         | हाँ/नहीं |
| (ख) क्या आप भारतीय उद्भव के व्यक्ति हैं ?   | हाँ/नहीं | (ड) क्या आपका धन-कर के लिए निधारण किया गया है ?           | हाँ/नहीं |
| (ग) क्या आप अनिवासी भारतीय हैं जिनके मासले में आय के किसी भाग पर अध्याय 12के उपबंधों के अनुसार कर लगाया जाएगा ? | हाँ/नहीं | (च) क्या आपने किसी दोहरे कराधान से राहत का दावा किया है ? | हाँ/नहीं |
| (यदि हाँ तो कृपया पूरक पन्ने पर चौरा दें)   |          | (i) विदेशों में करार के अधीन                              | हाँ/नहीं |
|   |          | (ii) उन देशों के बारे में जिनके माथ कोई करार नहीं है      | हाँ/नहीं |
|   |          | देश का नाम  |          |

**भाग—1** आय जिसके अन्तर्गत अन्य व्यक्तियों की आय भी है जो निधीरकी की कुल आय में सम्मिलित किए जाने योग्य है और शुद्ध कृषि आय की संगणना क. वेतन

सरकारी हाँ/नहीं

नियोजक का नाम और पता

1. वेतन (सभी भूमों सहित)	_____ रु.
2. घटाइएः धारा 10 के अधीन छूट प्राप्त भूमि (क) (ख) (ग)	_____ रु. _____ रु. _____ रु. _____ रु. _____ रु.
3. अंतिष्ठेष (1—2)	_____ रु.
4. जोड़िए (क) (ख) (ग) (घ)	_____ रु. _____ रु. _____ रु. _____ रु.
5. योग (3 + 4)	_____ रु०
6. कटौती कीजिएः (क) मानक कटौती (ख) (ग)	_____ रु. _____ रु. _____ रु.
7. 6 की कटौतियों का योग	_____ रु.
8. वेतन शीर्ष के अधीन प्रभार्य आय (5—7)	_____ रु.

**ख. गृह संपत्ति से आय**

1. संपत्ति का पता	_____
2. स्वयं के प्रधिभोग में हाँ/नहीं	3. वा. कि. मू. /वार्षिक किराया _____ रु.
4. घटाइएः (क) (ख) (ग)	_____ रु. _____ रु. _____ रु.

5. 4 का योग	रु.
6. अतिशेष ( 3—5 )	रु.
7. अन्य कटौतियाँ :	
(क) मरम्मन	रु.
(ख)	रु.
(ग)	रु.
(घ)	रु.
(च)	रु.
(छ)	रु.
(ज)	रु.
(झ)	रु.
8. 7 का योग	रु.
9. गृह संपत्ति से आय वीर्द्ध के अधीन प्रभार्य आय ( 6—8 )	रु.
ग. पूँजी अभिलाभ	
अल्पकालिक आस्तियाँ	दीर्घकालिक आस्तियाँ
1. अंतरित आस्ति की विशिष्टियाँ	रु.
2. अन्तरण के पूर्व धारण अवधि	रु.
3. अन्तरण की तारीख	रु.
4. प्रतिफल का पूरा मूल्य	रु.      रु.      रु.      रु.
5. कटौतियाँ :	
(i) अर्जन की लागत	रु.      रु.      रु.      रु.
(ii) सुधार की लागत	रु.      रु.      रु.      रु.
(iii) अंतरण की लागत	रु.      रु.      रु.      रु.
6. 5 की कटौतियों का योग	रु.      रु.      रु.      रु.
7. अनिशेष ( 4—6 )	रु.      रु.      रु.      रु.
8. अन्य कटौतियाँ घटाइए	रु.      रु.      रु.      रु.
9. अतिशेष ( 7—8 )	रु.      रु.      रु.      रु.
10. जोड़िए :	
वह रकम जो पूँजी अभिलाभ समझी गई हैं	
(कृपया विनिर्दिष्ट करें)	
(क)	रु.      रु.      रु.      रु.
(ख)	रु.      रु.      रु.      रु.
11. योग [ 10 (क) + 10(ख) ]	रु.      रु.      रु.      रु.
12. योग ( 9 ± 11 )	रु.      रु.      रु.      रु.
13. दीर्घकालिक आस्तियों से संबंधित अप्रतीत की गई हानियाँ घटाइए	रु.      रु.
14. पूँजी अभिलाभ की शुद्ध रकम	अल्पकालिक पूँजी अभिलाभ दीर्घकालिक पूँजी अभिलाभ

## प्र. अन्य स्रोतों से आय

1. (क) लाभांश	_____	रु.
(ख) ब्याज	_____	रु.
(ग) लाटरी, वर्ग पहली, दोष आदि में जीत	_____	रु.
(घ) अन्य	_____	रु.
2. 1(क) से 1(घ) का योग	_____	रु.
3. घटाइए : कटौतियां (कृपया विनिर्दिष्ट करें)	_____	रु.
_____	_____	रु.
_____	_____	रु.
4. 3 की कटौतियां का योग	_____	रु.
5. अन्य स्रोतों से शुद्ध प्रभार्य आय (2—4)	_____	रु.

## इ कुल आय का विवरण

1. क. वेतन	(मद क-8)	_____	रु.
ख. गृह संपत्ति में आय	(मद ख-9)	_____	रु.
ग. पूँजी अभिलाभ			
(1) अल्पकालिक पूँजी अभिलाभ	_____	रु.	
	(मद ग.-14)		
(2) दीर्घकालिक पूँजी अभिलाभ	_____	रु.	_____
घ. अन्य स्रोतों से आय	(मद घ.-5)	_____	रु.
2. सकल कुल आय (क से घ तक)			
3. घटाइए : अध्याय 6-क के अधीन कटौतियां			
(क) _____ रु.			
(ख) _____ रु.			
(ग) _____ रु.			
(घ) _____ रु.			
(ङ) _____ रु.	योग	_____	रु.
4. अतिशेष (2-3)			रु.
5. कुल आय (दस रुपए के निकटम गुणज पूर्णांकित) (शब्दों में) _____			रु.

6. शुद्ध कृषि आय दर के प्रयोजनों के लिए \_\_\_\_\_ रु.
7. मद के से घ तक में सम्मिलित आय की रकम जो पनि या पत्नी/अवयस्क संतान/पुत्र की पत्नी/पुत्र की अवयस्क संतान या किसी अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों के संगम को उद्भूत होने वाली आय है। \_\_\_\_\_ रु.
8. ऐसे व्यक्ति का नाम और नातेथारी \_\_\_\_\_ रु.
9. मद के से घ तक में सम्मिलित आय जिस पर विशेष दर से प्रभारी है \_\_\_\_\_ रु.

## भाग 2. करों का विवरण

1. कुल आय पर कर  
 (क) विशेष दरों से \_\_\_\_\_ रु.  
 (ख) सामान्य दरों से \_\_\_\_\_ रु.
2. घटाइएः धारा 89(1) के अधीन राहत \_\_\_\_\_ रु.
3. अतिशेष (1-2) \_\_\_\_\_ रु.
4. जोड़िएः  
 (क) विसंबंध से विवरणी फाइल करने पर ब्याज \_\_\_\_\_ रु.  
 (ख) अप्रिम कर के संदाय में व्यतिक्रम के लिए \_\_\_\_\_ रु.  
 ब्याज  
 (ग) अप्रिम कर के आस्थगन के लिए ब्याज \_\_\_\_\_ रु. योग \_\_\_\_\_ रु.
5. संदेय कुल कर और ब्याज (3 + 4) \_\_\_\_\_ रु.
6. पूर्व संदत्त कर (क) अप्रिम कर की किसी (चालान संलग्न कीजिए)

	पहली	दूसरी	तीसरी	योग
रकम (रुपए)				
तारीख				
बैंक का नाम				
शाखा				

(ख) स्रोत पर कटौती किया गया कर (प्रमाणपत्र संलग्न कीजिए)

(i) ब्रेतन \_\_\_\_\_ रु.

(ii) व्याज \_\_\_\_\_ रु.

(iii) लाभांश \_\_\_\_\_ रु.

(iv) कोई अन्य मद  
(कृपया विवरित कीजिए) \_\_\_\_\_ रु. योग \_\_\_\_\_ रु.

7. स्वतः निर्धारण पर कर (चालान संलग्न  
कीजिए)

रकम

मंदाय की तारीख	प्राय-कर	मद 4 के अनुसार ब्याज
----------------	----------	-------------------------

\_\_\_\_\_ — \_\_\_\_\_ 19 \_\_\_\_\_ रु. \_\_\_\_\_ रु. योग \_\_\_\_\_ रु.

8. अन्य प्रवृत्त सदन कर, यदि कोई हो (विवरित करें और संघृत संलग्न करें) \_\_\_\_\_ रु.

9. मद (6 से 8) का योग \_\_\_\_\_ रु.

10. सदेय या प्रतिदेय शुद्ध कर (अर्थात् 5 और 9 का अन्तर) \_\_\_\_\_ रु.

भाग 3. प्राय जिसके लिए छूट का दावा किया गया है

1. प्राय की प्रकृति रकम (रु.) सावे के लिए कारण

(क)

(ख)

(ग)

(घ)

## भाग 4. संलग्न व्रस्तावेजों/विवरणों की सूची

1.

- (क)
- (ख)
- (ग)
- (घ)
- (ङ)
- (च)
- (छ)
- (ज)
- (झ)

## 2. मत्यापन

मेरे नाम से संलग्न उपबन्धों और विवरणों में दो गई जासकारी [■■■-■■■] मेरे यद्योंतम जान और जिश्काम के अनुसार महीने और पूर्ण हैं और उनमें दर्शन कुल आय की रकम और अन्य विशिष्टियों का उल्लेख सही-सही किया गया है और ये निर्धारण वर्ष 19 से मुख्यतः पूर्व वर्ष (वर्षों) के संबंध में हैं।

\*मेरे मत्यापन से यह घोषणा भी करता/करती है कि उक्त पूर्व वर्ष (वर्षों) के बीच—

(क) मुझे मेरे नाम में या किसी अन्य व्यक्ति के नाम में धारित किसी आस्ति से कोई प्रत्य आय न तो प्रोटूसूत हुई है, और न उद्भूत हुई है, और न प्राप्त हुई है,

(ख) किसी अन्य व्यक्ति को आय सहित ऐसी कोई अन्य आय नहीं है जिसकी बाबत में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन कर से प्रभार्य है।

\*मेरे मत्यापन से यह घोषणा भी करता/करती है कि उक्त पूर्व वर्ष (वर्षों) के दौरान—

(क) \*उस व्यक्ति के, जिसके लिए आंग और जिसकी और से यह विवरणी दी जा रही है, “उस व्यक्ति को जिसकी कुल आय की बाबत मेरा निर्धारण किया जा सकता है, “उस व्यक्ति को जिसके लिए आंग और जिसकी और से यह विवरणी दी जा रही है, \*उस व्यक्ति] के जिसकी कुल आय की बाबत मेरा निर्धारण किया जा सकता है, नाम में या किसी अन्य व्यक्ति के नाम में धारित कियी आस्ति से कोई अन्य आय न तो प्रोटूसूत हुई है, न उद्भूत हुई है और न प्राप्त हुई है;

(ख) किसी अन्य व्यक्ति की आय भावित ऐसी कोई अन्य आय नहीं है जिसकी बाबत उक्त व्यक्ति आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन कर से प्रभार्य है।

\*मेरे यह भी घोषणा करता/करती है कि मैं यह विवरणों ..... (पदनाम) की हैसियत से तैयार कर रहा/रही हूँ और मैं यह विवरणी तैयार करने और इसको मत्यापित करने के लिए मकाम हूँ।

स्थान .....

तारीख .....

\* (नाम और हस्ताक्षर)

\*जो नाम न हो उसकी काट दीजिए।

\*\* घोषणा पर हस्ताक्षर करने के पूर्व हस्ताभरकर्ता को अपना समाधान कर लेना चाहिए कि यह विवरणी और इसके साथ के उपबन्ध और विवरण महीने और सभी प्रकार में पूर्ण हैं। कोई भी व्यक्ति जो इस विवरणी या इसके साथ के उपबन्ध या विवरणों में कोई मिथ्या कथन करेगा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 277 के अधीन अभियोजन के लिए दायी होगा और दोषसिद्धि पर उक्त धारा के अधीन कठिन कारबास और जृमाने से दण्डनीय होगा।

## प्रह्लाप सं. 3

[आय-क्र. अधिनियम, 1961/नियम 12(1)(ब)(iii)]

टिप्पणी

## सामग्र्य

(1) प्रारूप में 3 ऐसे मिथ्यारितियों (कंपनियों और उन व्यक्तियों से जो पुर्व या धार्मिक प्रयोजनों के लिए व्यापति मंथन से आय प्राप्त करते हैं, तथा भारा 11 के अधीन छूट का बाबा करते हैं, भिन्न) के लिए है, जिनकी दृष्टि आद के ग्रन्थांतर “कारवार गा वृत्ति के लाभ और अभिलाषा” नहीं है।

(2) सभी भाग और स्वंभु इसके [नीचे उपर्युक्त रीति से भरे जाने चाहिए। यदि कोई भाग या स्वंभु लागू न हो तो, कुशला ‘लागू’ नहीं होता] उल्लिखित करें और कोई चिन्ह या प्रसीक अंकित न करें।

(3) इन टिप्पणी में ग्रन्थक पृष्ठ के भीचे जो संख्याक विधि गए हैं वे आय की विवरणी के संर्वाधार पृष्ठों पर तत्स्थानी मध्य संख्याओं की निर्दिष्ट करते हैं।

(4) इन टिप्पणी में धाराओं और नियमों के जो [निर्दिष्ट हैं] नमूना: आय कर अधिनियम, 1961 और आग कर. नियम 1962 की धाराओं और नियमों के प्रति निर्दिष्ट हैं।

(5) इन टिप्पणी को अलग कर लिया जाए और निर्धारितों, द्वारा रखा जाए।

## पृष्ठ 1

1. जो लागू न हो उसे काट दें। यदि यह विवरणी निर्धारण वर्ष 1990-91 के लिए है और पहली बार फाइल की गई है तो यह मूल विवरणी है यह उपर्युक्त करने के लिए “मूल” की ओँड दे और बाबी काट दें।

2. वह निर्धारण वर्ष उपर्युक्त करें जिसके लिए विवरणी पाइल की गई है। (निर्धारण वर्ष विवाय वर्ष के टोक वार्ड के बारह मास की अवधि का है। इस प्रकार से 1-4-1989 से 31-3-1990 की अवधि के लिए निर्धारण वर्ष 1990-91 होता।)

3. यदि महं संशोधित विवरणी है हो, पहले मूल विवरणी की रसीद संख्या दें और तब उसे फाइल करने की तारीख उदाहरणार्थ यदि मूल विवरणी 15-6-1990 को फाइल की जाती है और उसके लिए विभाग ने रसीद सं. 4210 जारी की है तो उसे बातों में इस प्रकार उपर्युक्त लिखा जाएगा:

1	4	2	1	0	1	5	-	0	6	-	1	9	9	0
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

4. करदाता को दिए गए स्थायी लेखा संख्या का यहां हस्ताला दिया जाएगा यदि यह इस प्रकार अभी नहं नहीं दिया गया है तो जो आठ आर संख्याक यदि कोई हो तो लिखे। यदि दोनों नहीं दिए गए हैं तो “नहीं दिया गया” लिखें।

5. अपनी मास स्पॉट अक्षरों में लिखें। उपनाम पहले दे। प्रत्येक नाम के पश्चात् एक बाबा छोड़ दे। उदाहरणार्थ सत्य प्रकाश शर्मा के लिए लिखें:

प	ा	म	ी	स	ा	य	्	प	्	क	ा	श	्	्
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

6. प्राप्तिनि उपर्युक्त करने के लिए, कृपया निम्नलिखित कोड नम्बर का प्रयोग कीजिए :

(क) व्यक्ति	01
(ख) हिंदू अधिवक्ता कुटुम्ब (नीचे उल्लिखित से भिन्न)	02
(ग) हिंदू अधिवक्ता कुटुम्ब जिसके कम से कम एक सदस्य को कुल आय पूर्ण वर्ष में 18000 रु. से अधिक है	03
(घ) अराजिस्ट्रेट्रल फर्म	04
(ङ) रजिस्ट्रीड फर्म (उससे भिन्न जीवृति में लगी है)	05
(ज्ञ) रजिस्ट्रीड फर्म जीवृति में लगी है	06
(क्ष) व्यक्तियों का संगम	07
(ज) व्यक्तियों का संगम (न्यास)	08
(क्ष) अल्टि निकाय	09
(अ) कृपिम विधिक व्यक्ति	10
(ट) सहकारी सोसाइटी	11
(ट) स्वानीय शाधिकारी	12

उदाहरण : उरा हिंदू प्रेदमक छटुम्बी की दशा में जिसके कम से कम एक सदस्य को कर्तव्येय प्राप्त 140(1)(c) से प्रविधि है।  
मही कोई नंबर 03 होगा।

२ निवास प्राप्तिका उपर्याप्त करने के लिए निम्नलिखित कोड नम्बर का प्रयोग कीजिए:—

निवासी	01
अनिवासी	02
निवासी किन्तु भास्मूली पौर पर निवासी नहीं	03

सुरक्षित उपर्याप्त धारा 6 में है।

S. यहाँ उपर्याप्त कर थाई/सकिल/गिरि का जहाँ विवरण दुम्हा ३/इनाहा है ताम चिकिता यदि आपको जलतरी नहीं है तो कृपया आयकर ब्रार्टलिय के जा संपर्क गणिकारी संया आशती कालंडर पर मालूम करें।

३ और ११. अपने कर्तव्यादीर निवास का पिन कोड और डेलीकोन नंबर सहित यदि कोई ही पूरा पता है।

११. जो लागू न हो उसे बाट दें।

### भान-१

#### क-वेतन

नियोजको के नाम और पते के बदि आपसरकारी नियोजन में हैं तो “नहीं” काठ दे किमी व्यवहरा में “हाँ” काठ दें।

१. यहा निवारण वर्ष के संधिय में जिसके लिए विवरणों दो जा रही हैं, नियोजक में प्राप्त/प्राप्त यकल वेतन उपदर्शित करे [उदाहरणार्थ वेतन जिस के अनिवास वेतन नी बकाया या वेतन अधिक भी है, उस छोटी की बदले में जिसका उसने उपर्योग नहीं किया है, प्राप्त कोई संदाय, घोनस, मजदूरी, खोन, वेणन (जिसके प्रत्यक्ष वेणन का संराशित मूल्य है) वेय कोई व्यार्थिकी या उत्तरान (जो है संदर्भ हो या अनुज्ञात) और मकान कियाया और कभी अन्य तहद भरें।] एक से अधिक नियोजकों से प्राप्त/प्राप्त वेतन को यकल वेतन में सम्मिलित करें। सुरक्षित उपर्याप्त आयकर प्रशिक्षियम, 1961 की धारा 16 और धारा 17 में है।

किसी अधिक की दशा में यदि कोई ऐसी रकम उपदान के ला में चलू वर्ग में या पूर्व वर्ष में प्राप्त हुई थी, जिसके लिए छूट का दावा किया गया है तो एक पृष्ठक विवरण बनान किया जाए।

२. यहाँ उन अधिकारातक भर्ते उपर्याप्त के लिए तहवे धारा 10 के अधीन छूट प्राप्त है।

३. यहाँ अधिको उपर्याप्त करे (यथार्थ १-८) ॥

५. वेतन के बदले में द्वौपरिलिखियों और वासा ते मूल्य की जोड़े। प्रत्येक मद जो उपके ब्रनीप्र मूल्य सहि। दिए गए स्तंभों में अलग अलग विनियिष्ट करें। यदि स्थान अपर्याप्त तो तो पृथक पाना संलग्न करें।

नियोजक धारा प्रदर्शन परिसंचित निम्नलिखित ही सकती है:

(i), मृप्त या रियायती पास सुविधा --धारा 17(2)(i) और (ii) ।

(ii) मृप्त या रियायती पायदे युवा सुविधाएं --धारा 17(2)(ii)

(क) प्रवद्धा --नियम ३(ग) ॥

(ख) ऐस विष्वृत जननियम ३(घ)

(ग) परेलू या वैयाकिक विकारां

(घ) वैयाकिक यात्रा ।

(क) अन्य कोई मद (अपरे दीजिए) ॥

(iii) नियायिता की वाद्यताओं की बाइन नियोजक धारा संवाय (जिनमें बालकों की शिक्षा, आय कर प्राप्त अधिकारिति ५) और नियोजक धारा जीवन बीमा या बांधिती के लिए यदेव राशियों धारा 17(2) (iv) और (v)

५. यहाँ मद ३ और १ की वाद्य दीजिए हृपया वेतन प्रमाणपत्र संलग्न करे।

६. यहाँ वेतन आय से अनुज्ञेय उटोनियों का दशा कीजिए। प्रत्येक मद अलग अलग विनियिष्ट । ये जैसे:

--भासक कटाती : वेतन के ३३-१/३ प्रतिशत के गणि या बारह हजार रुपये, इनमें में जो भीकम हो करावेय वेतन को संगणना में अनुज्ञात है।

--सलाह नस्ता धारा 16(ii)

--चूति कर--धारा 16(iii)

७. यहाँ यकल वेतन में से दावा को जह कटोनियां की कृत रकम दीजिए ।

८. यहाँ “वेतन” एवं के अधीन प्रसार्य युवा आय उपर्याप्त कीजिए।

पृष्ठ 2

**ब. गृह संपत्ति से आय**

1. हृषया संपत्ति (संपत्तियों) का/के पूरा/पूरे डाक पता/पते बीजिए। यदि निर्धारिती एक से अधिक संपत्तियों का स्वामी है तो हृषया उसका एक अलग कागज पर उल्लेख कीजिए और उसे विवरणी के साथ संलग्न कीजिए।

2. यह उपर्युक्त करने के लिए कि संपत्ति स्वामी के अधिकार में है या नहीं, यथास्थिति “हाँ” या “नहीं” शब्द को काट दीजिए।

3. यहाँ वार्षिक किराया मूल्य या प्राप्त/प्राप्त वार्षिक किराया इनमें से जो भी अधिक हो, उपर्युक्त करें। यदि आप एक से अधिक गृह संपत्ति के स्वामी हैं, यहाँ उपर्युक्त संघर्षों का प्रयोग करने के लिए हृषया ऐसी प्रत्येक संपत्ति के बारे में पृष्ठ संगणना दें।

4. यहाँ धारा 23 के प्रधोन अनुसूय कटौतियों का दावा कीजिए जैसे:

(क) नगरपालिका कर, निर्धारिती कटौती का उत्तमी दावा करें जब वे (i) उसके द्वारा वहन किए जाते हैं, किराएवार धारा नहीं, और

(ii) वर्ष के दीर्घ संक्षत किए गए हैं। हृषया ऐसे संशय का सबूत संलग्न करें।

(ख) नव संनिर्माण भता सुर्भगत उपबंध धारा 23(1) के द्वारे परन्तु के में दिए गए हैं।

(ग) यदि ऐसी एक या अधिक संपत्तियां स्वामी के अधिकार में स्वयं उसके निवास से प्रयोगों के लिए हैं तो संपत्ति जिसके बारे में निर्धारिती कि उत्तम धारा 23(2) उपर्योग वार्षिक मूल्य कुछ नहीं माना गया, विनिर्दिष्ट की जाएंगी। कटौती की प्रत्येक मद उसके अधीन दावा की गई कटौती योग्य रकम सहित अलग अलग विनिर्दिष्ट करें।

5. यहाँ धारा 23 के अधीन दावा की गई कटौती भी कुल राशि उपर्युक्त की जानी है।

6. यहाँ अतिशेष उपर्युक्त करें (अर्थात् 3—5)

7. यहाँ धारा 24 के अधीन कटौतियां उपर्युक्त करें (प्रत्येक मद अलग अलग विनिर्दिष्ट करें) जैसे :

(i) मरम्मत -निर्धारिती वार्षिक मूल्य के पष्ठांश का मरम्मत के रूप में हकदार है, यदि उसे किराएदार द्वारा वहन नहीं किया जाता है धारा 24(1)(i) ;

(ii) बीमा —धारा 24 (1) (ii) ;

(iii) वार्षिक प्रभार—धारा 24(i) (iv) ;

(iv) भूमि का किराया—धारा 24(1)(v) ;

(v) उधार ली गई पूँजी पर अ.ज—धारा 24(1)(vi)

(vi) भू-चारस्त-धारा 24(1)(vii)

(vii) संग्रहण प्रभार (प्रत्येक परिमीमा धास्तविक अय या वार्षिक किराया मूल्य का 6 प्रतिशत इनमें से जो भी कम हो, है)---धारा 24(1) (viii)

(viii) रिस्ते रहने का भला-धारा 24(1) (ix)

(ix) किराया जो वसुल नहीं किया जा सकता —धारा 24(1) (x) ;

8. यहाँ धारा 24 के अधीन दावा की गई कटौती की कुल राशि उपर्युक्त की जानी है।

9. यहाँ “गृह संपत्ति से आय” शीर्ष के अधीन प्रभार्य शुल्क आय (अर्थात् 6—8) इसमें उपर्युक्त की जानी हैं।

**ग. पूँजी अधिकार**

1. अंतरित आस्तियों का विवरण दें। अत्यकालिक और दीर्घकालिक आस्तियों के लिए पृष्ठक संभव दिए गए हैं। तबनुसार अंतरित आस्तियों की विशिष्टियों में बंधन में भी आए यदि अलगण में दो से अधिक अत्यकालिक/दीर्घकालिक/आस्तियों अंतर्भूत हों तो पृष्ठक संगणना पन्ना दिए गए फार्म में, विवरणी के साथ संलग्न करें।

2. यहाँ अर्जन की तारीख और वह अवधि जिसमें निर्धारिती ने आस्तिथारित की है, उपर्युक्त कीजिए।

3. यहाँ वह तारीख लिखें जिसको आस्ति अंतरित की गई है।

4. यहाँ वह सकल रकम, जो आस्ति के अन्तरण में प्राप्त की गई है/प्राप्त हो, उपर्युक्त की जानी है।

5. हृषया यहाँ उपर्युक्त करें:

(i) अर्जन की सामग्री: निर्धारिती धारा आस्ति के अर्जन में उपगत लागत है या धारा 49 और धारा 55(2) के निवन्धनों के अनुगार लागत

(i) सुधार की लागत : "मूलदित" के संबंध में यह "शन्य" है जबकि अन्य प्रान्तियों के संबंध में यह प्राप्ति के सुधार में उपर्युक्त लागत है—धारा 55(1)(ब्र)

(iii) अल्परण की लागत : यह अल्परण के संबंध में लागत है—धारा 48(1)(क)(i)

6. यहाँ 5 बी कटीतियों की कृत राणि उपदर्शित करें।

7. यहाँ अनिशेष रकम (4—6) उपदर्शित करें। यदि इसका परिणाम हानि हो तो उसे (--) अंक दिन्ह द्वारा उपदर्शित करें।

8. अन्य कटीतियाँ : यहाँ अल्पकानिक और दीर्घकालिक पूँजी अभिलाभों के संबंध में अनुजीव कटीतियाँ अलग-अलग उपदर्शित की जाएंगी। कृपया प्रत्येक मद, उसके अधीन कटीती-योग्य रकम सहित विनिर्दिष्ट करें। यदि स्थान अपर्याप्त हो तो प्रत्या का प्रयोग करें। ये कटीतियाँ अनुजीव नहीं होती यदि 7 के अनिशेष का परिणाम हानि हो।

अनुजीव कटीतियाँ निम्ननिवित हैं :

#### I. अल्पकानिक पूँजी अभिलाभ :

(i) वह रकम जो धारा 54ख (1), 54घ (1) या 54छ (1) के अधीन कूद प्राप्त है

(ii) वह रकम जो धारा 54ख (2), 54घ (2) या 54छ (2) के अधीन जमा की गई है।

#### II. दीर्घकालिक पूँजी अभिलाभ :

(i) वह रकम जो धारा 53, 54 (1), 54ख (1), 54च (1), 54च (1), या 54छ (1) के अधीन कूद प्राप्त है

(ii) वह रकम जो धारा 54 (2), 54ख (2), 54घ (2), 54छ (1), 54च (4), या 54छ (2) के अधीन जमा की गई है।

(iii) धारा 48 (2) के अधीन

9. कृपया यहाँ अनिशेष रकम (7—8) उपदर्शित करें। यदि 7 के अनिशेष का परिणाम हानि हो तो उसे यहाँ दोहराया जाए।

10. यहाँ "पूँजी अभिलाभ" शीर्ष के अधीन आय समझी गई रकम उपदर्शित करें। कृपया प्रत्येक मद, उसके अधीन सम्मिलित किए जाने योग्य रकम महित अलग-अलग विनिर्दिष्ट करें। ऐसी समझी गई आय से संबंधित सुनियन उपबंध धारा 45(2)/(3)/(4)/(5), 50, 54 (2), 54 ख (2), 54 घ (2), 54 छ (2), 54 च (4) और 54छ (2) में है।

11. यहाँ पूँजी अभिलाभ समझी गई कृत रकम इसमें उपदर्शित की जानी है। यह अल्पकानिक और दीर्घकालिक आन्तियों के संबंध में अलग-अलग उपदर्शित की जाए।

12. यहाँ अल्पकालिक और दीर्घकालिक पूँजी अभिलाभों के निए 9 और 11 के शुद्ध परिणाम अलग-अलग उपदर्शित करें।

13. यहाँ दीर्घकालिक आन्तियों से संबंधित पूँजी वर्तन वर्ती से अप्राप्ती हानि उपदर्शित करें।

14. यहाँ "पूँजी अभिलाभ" शीर्ष के अधीन अल्पकालिक और दीर्घकालिक पूँजी अभिलाभ/हानि की यह रकम उपदर्शित करें।

### पृष्ठ 3

#### घ अन्य स्रोतों से आय :

1. (क) कृपया लाभाश की सकल उल्लिखित करें। निम्ननिवित जानकारी देते हुए पृथक पक्ष संबंध करें—

(i) कम्पनी का नाम ;

(ii) शेयरों की संख्या ;

(iii) लाभांश की सकल रकम ;

(iv) लाभांश की सकल रकम ;

(v) सोने पर रकम किया गया वर्तन।

यदि निर्धारिती 1 धारा 2(22)(ग) के अधीन उल्लिखित प्रकृति को कोई राशि प्राप्त की है और जो लाभांश समझी गई है तो कंपनी का नाम आंग वर्तन, प्राप्त संदर्भ की प्रकृति और हाँ प्रकार प्राप्त राशि बताते हुए विवरण प्रस्तुत करें।

कृपया लाभांश अधिष्ठय और अन्य गमर्थक मास्त्र मंत्रगत कीजिए।

(ख) कृपया प्राप्त किए गए/प्राप्त व्याज की सकल रकम को उल्लिखित करें। प्राप्ति किया गया/प्राप्त व्याज की प्रत्येक मद के संबंध में जानकारी देते हुए पृथक पक्ष संबंध करें और समर्थक मास्त्र मंत्रगत करें।

(ग) यहाँ जाटों, यर्ग पहली शौड़ शादी से दूरी जीत की सकल रकम यिखें और यदि दो या प्रधिक मदें हों, तो पृथक मंगणना मंत्रगत करें, और समर्थक मास्त्र मंत्रगत करें।

(घ) 'अन्य स्रोतों से आय' शीर्ष के अधीन प्रधार्य अन्य आय विनिर्दिष्ट करें।

2. यहाँ सकल प्राप्तियों की कुल राशि उपर्याप्ति की जानी है।
3. भद्रीन दावा की गई कटौतियों की मद्दें और रकमें विनिश्चित करें। सुमंगल उपर्याप्ति धारा 57 में है।
4. यहाँ दावा की गई कटौतियों का योग उपर्याप्ति करें।
5. यहाँ “अन्य स्पोषों से आय” शीर्ष के अधीन प्रभाव लड़ धारा (सर्वान् 2-4) लिखें।

#### इ. कुल आय का विवरण

1. यहाँ आय के विभिन्न शीर्षों के अधीन मद्दें एवं रकमें विनिश्चित करें। ये वही होनी चाहिए जो कमशः पृष्ठ 1 पर मद्द क.8, पृष्ठ 2 पर मद्द छ, और मद्द ग 14 तथा पृष्ठ 3 पर मद्द छ.5 के सामने दर्शित की गई हैं।
2. यहाँ के से घ का कुल राशि उपर्याप्ति की जाए।
3. I. यहाँ प्रध्याय 6-क के अधीन दावा की गई कटौतियों उपर्याप्ति की जाए। इस कटौतियों की मकानित रकम योग में दिखाए जाए।

II. इन्याय संदाय/प्रधिदाय की मकान रकम की संगणना, अहंक रकम और दावा की गई कटौती की शुद्ध रकम लिखें। यदि विधा गया स्थान प्रध्यायान हो तो, संगणना, पृष्ठक पर दे और उसे विवरणी के साथ मानव करें।

#### III. कुल दावा के समर्थन में मंदाय/प्रधिदाय का सबूत भी संलग्न करें। प्रध्याय 6-क के अधीन पात्र कटौतियों का संबंध निष्कासित से है:

(i) जीवन बीमा प्रोमियम, भविष्यतीय प्रभिदाय, आवासिक संपत्ति के क्रय/संनिधान के लिए भरकार/ईफ आदि में लिए गए उधारों की किश्त/आणिक संदाय/प्रतिसंदाय अहंक रकमों की संधूले प्रधिकरण सीमा लेखक, नाटकाकार, संगीतकार, अभिनेता या चित्राली (जिसके अन्तर्गत खेलकूद में आग होने वाला है) की दशा में 60,000 रुपया और किसी व्यक्ति या हिन्दू प्रविष्टि कुटुम्ब या व्यक्तियों के किसी संगम या व्यापियों के किसी निकाय की दशा में 40,000 रुपये हैं। इस धारा के अधीन कटौती को गणना इस प्रकार की जाएगी:

पहले 6000 रु	... 100 प्रतिशत
अगले 6000 रु	... 50 प्रतिशत
अतिरिक्त	... 40 प्रतिशत (धारा 80ग)

(ii) कुछ तरह शेयरों में प्रधिकरण विनिधान 20,000 रुपये तक। कटौती, विनिधान की गई रकम के 50 प्रतिशत की दर से अनुशासन है। उदाहरणार्थ वह निष्कासित जो 25,000 रुपये का विनिधान करता है, 10,000 रुपये (अर्थात् 20,000 रुपये की प्रधिकरण सीमा का 50 प्रतिशत) कटौती प्राप्त करेगा। (धारा 80ग)

(iii) राष्ट्रीय बचत स्कीम, 1987 के अधीन निष्कासित या जीवन बीमा निगम की आमित्यगत वापिकी योजना में संदाय। ये प्रधिकरण सीमा 30,000 रुपये के अधीन रहते हुए, 100 प्रतिशत की दर से कटौती योग्य हैं। (धारा 80 गगक)

(iv) चिकित्सा बीमा के लिए साधारण बीमा निगम को संकेत प्रीमियम। चिकित्सा बीमा के लिए संकेत प्रीमियम की आवत प्रधिकरण सीमा 3000 रुपये है। (धारा 80घ)

(v) कनिपय निधियों, पूर्ण संस्थाओं प्राप्ति को दान। कनिपय निधियों, पूर्ण संस्थाओं प्राप्ति को फेवल वही नकद दान धारा 80 ल के अधिन कटौती के लिए पात्र होगा जिसका योग 2500 रुपये से अधिक है। सूर्यों प्रधिकरण सीमा सकल कुल आय की 10 प्रतिशत है। (जिसमें से वह रकम पटा ही जाएगी जिस पर कोई कर संदेश नहीं है या वित्तीक प्रति निवेदन से करदाना प्रध्याय 6-क के अधीन किसी कटौती का छूटदार है)। (धारा 80ठ)

(vi) सुसज्जित या असज्जित निवास स्थान के लिए संकेत किशया। करदाना, जो कोई मकान किराया भना प्राप्त नहीं कर रहा है, बर्तीकृत शरणों में से किसी एक में जिसमें नगर बस्ती भी है, स्थित निवास स्थान के लिए भवत किराये की आवत कटौती का पात्र है। कुल आय के 10 प्रतिशत में अधिक संकेत किशया की आवत, संगुणों प्रधिकरण सीमा 1000 रुपये प्रतिशत या कुल आय के 25 प्रतिशत के दृष्टि में जो भी कर हो। अधीन रहते हुए, कटौती प्रनुभ्य है। (धारा 80उठ)

(vii) वैज्ञानिक प्रनुभ्यधारा, प्राप्त विकास के लिए दान। वैज्ञानिक प्रनुभ्यधारा या प्राप्त विकास या प्राकृतिक समाधनों के संग्रहण के लिए कनिपय वानों की आवत धारा 80उठक के अधीन 100 प्रतिशत कटौती उपलब्ध है।

(viii) लाभांश, ध्याज, आदि। कनिपय शेयरों, युनिटों प्राप्ति में लाभांश, निष्कासित पर ध्याज के रूप में आय, 13000 रुपये की संपूर्ण प्रधिकरण सीमा तक कटौती के लिए पात्र है। (धारा 80ठ)

(ix) पारिवर्तनीय सीमाओं और कनिपय शेयरों के अधीन रहते हुए सहकारी बोसायटियों का विनिश्चित प्राप्त (धारा 80)

(x) प्राप्तायी विकासों प्राप्ति की दशा में कनिपय विवेशी स्थानों में पारिवर्तनीय—ऐसे पारिवर्तनीय का 50 प्रतिशत 80इ के अधीन कटौती के लिए पात्र है।

(xi) भारत में बाहर की गई सेशाओं के लिए प्राप्त पारिवर्तनीय—संपूर्ण प्रधिकरण सीमा ऐसे पारिवर्तनीय की 50 प्रतिशत या भारत में विवेशी मुद्दा विनियमन के अनुमान लाए गए पारिवर्तनीय की 75 प्रतिशत जो भी अधिक हो, है। (धारा 80 दण्ड)

(xii) उन व्यक्तियों द्वारा, जो पूर्णतः अन्य हैं या रखायी रूप में विकलांग हैं या मानसिक मददा से अस्त हैं, 15,000 रुपये की कटौती का दावा किया जा सकता है। (धारा 80)

५. यहां कर में प्रभावे कुल आय (2-3) की जानी है।
६. यहां उपर्युक्त रूपी में, दम रपए के निकटतम् गुण नक्ष पूर्णांकित कुल आय का गठनों और अकी दोनों में, उल्लेख कीजिए।
७. यहा मुस्तक वित्त अधिनियम की पहली अनुग्रहों के भाग ४ के अनुसार में संगणित शुद्ध हृषि आय दी जानी है।
८. यहा प्रत्य अंतर्क्षयों को उद्भूत आय, जो निर्धारितों की कुल आय में मम्मांशित की गई है, दी जानी है।
९. यदि किसी आय पर कर, विवेच वर से जैसे लाटरी अदि से भीत की बाबत धारा 115 वर्ष के अधीन या अनिवार्यी भारतीय को देश में धारा 115अंक के अधीन या अधिनियम के किसी अन्य उपर्योग के प्रधीन प्रधिकरण मार्जिन दर से प्रभावी है तो उसका व्योग पूर्यक पर्याप्ति पर दीजिए।

## पृष्ठ ४

## भाग-2. करों का विवरण

१. यहां कुल आय पर मध्य कुल कर दिया जाना है।
२. यहां धारा 89 (1) के अधीन राहत उपदेशित करे।
३. यहा मदेय आज-कर नो प्रतिशेष रकम उपदेशित करे (अर्थात् १—२)।
४. यहा विवरण में विवरणी फाइल करने के लिए, प्रधिम कर के मदाय में व्यक्तिय के लिए या प्रधिम कर के प्राप्तवान के लिए प्रभाव व्याज अनुग्रहालय दीजिए। इनकी संगणना धारा 234क, धारा 234प्र और धारा 234ग में अधिकृति रीति से की जाएगी।
५. यहा मदेय कर और व्याज की कुल रकम (३+४) उपदेशित की जानी है।
६. इन प्रयोजनों के लिए गए स्वतन्त्रत्वी स्तरों में (क) प्रधिम कर की किसी और (ख) स्वान् पर कटीसी किए गए करों का व्योरा दें।
७. स्व. निपारण पर (अर्थात् विवरणी फाइल करने में पहले) मंदत्त कर और व्याज का व्योरा दें प्रीरू इस प्रकार मंदत्त की गई रकम के समर्थन में छालान मंलग्न करे।
८. यहां अन्य पूर्व मंदत्त कर, यदि कोई हो, उपदेशित किए जाने हैं। हृष्या ऐसे मदाय का सबूत मंलग्न करे।
९. यहा मंदत्त कर की कुल राशि दी जानी है (अर्थात् ६+७+४)।
१०. यहा, यथास्थिति, मदेय या प्रतिशेष शुद्ध कर, उपदेशित तिक्षा जाना है। प्रतिशेष का उपदेशित करने के लिए ऐसे अट्ट (-) के चिह्न से दर्शायें।

## भाग—3

आय जिसके लिए कूट का दावा किया गया है

१. यहां आय जिसके लिए कूट का दावा किया गया है, उपदेशित की जाएगी। ऐसी माय को मद के लिए जिसके लिए कूट का दावा किया गया है, हृष्या उसकी प्रहृति, वह रकम जिसके लिए कूट का दावा किया गया है और उस दावे के लिए कारण विर्तिविष्ट करे।

## पृष्ठ ५

## भाग—4 मंलग्न दस्तावेजों/विवरणों की सूची

१. यहां आय को विवरणी के माय संलग्न दस्तावेजों/विवरणों का पूरा व्योरा दें।
२. उस पर हमनाभर करने में पहले, मत्त्यापन के नीति दिए गए विविदशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। मत्त्यापन में सभी मुस्तक स्तरों को घरें। उपर्युक्त रूप में स्वान् और तारीख लियें।

MINISTRY OF FINANCE  
(Department of Revenue)

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES  
NOTIFICATION

New Delhi, the 26th April, 1990  
**INCOME-TAX**

S.O. 354(E):—In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:—

1. (1) These Rules may be called the Income-tax (Eleventh Amendment) Rules, 1990.

(2) They shall come into force on the 1st day of June, 1990.

2. In the Income-tax Rules, 1962, in Appendix II, for Form Nos. 2 & 3, the following Forms shall be substituted, namely:—

**FORM NO. 2**

**“RETURN OF INCOME**

[See Rule 12(1)(b)(i)]

Receipt No. \_\_\_\_\_

Date \_\_\_\_\_

(Please read the attached Notes  
carefully before filling this Form)

[For assesses (other than companies and those claiming  
exemption under section 11) whose total income includes  
“Profits and gains of business or profession”]

1. ORIGINAL/REVISED/U/S148/237

2. Assessment Year 19 [ ] — [ ]

3. If revised, Receipt No. and  
date of filing of original return

4. PAN/GIR NO.

[ ] — [ ]

[ ] — [ ]

5. Name (Surname first) (In Block letters)

6. Status [ ]

7. Residential  
Status [ ]

[ ] — [ ]

[ ] — [ ]

9. Office Address (In Block letters)

8. Ward/Circle/Range

[ ] — [ ]

[ ] — [ ]

Telephone [ ] — [ ]

PIN [ ] — [ ]

Telephone [ ] — [ ] PIN [ ] — [ ]

11. Please indicate :

- (a) Are you a citizen of India ? Yes/No  
 (b) Are you a person of Indian origin ? Yes/No  
 (c) Are you an NRI in whose case any part of  
income is to be taxed in accordance with the  
provisions of Chapter XII A ? Yes/No

(If yes, please file the details in a separate  
sheet)

- (d) Is this your first Assessment ? Yes/No  
 (e) Are you assessed to Wealth tax ? Yes/No  
 (f) Have you claimed any Double Taxation Relief?  
 (i) Under Agreement with Foreign Countries Yes/No

(ii) In respect of Country with which no Agree-  
ment exists. Yes/No

Name of the Country \_\_\_\_\_

12. In case of firm, receipt No. & date of furnishing Form No.

11/11A/12 (Strike out whichever is not applicable.)

**PART-I COMPUTATION OF INCOME INCLUDING INCOME OF OTHER PERSONS INCLUDIBLE IN ASSESSEE'S TOTAL INCOME AND NET AGRICULTURAL INCOME**

**A. SALARIES**

Government Yes/No

Name(s) and Address(es) of Employer(s)

1. Salary (including all allowances)	Rs.-----
2. Less : Allowances exempt u/s 10	
(a)	Rs.-----
(b)	Rs.-----
(c)	Rs.----- Rs.-----
3. Balance (1-2)	Rs.-----
4. Add :	
(a)	Rs.-----
(b)	Rs.-----
(c)	Rs.-----
(d)	Rs.-----
5. Total (3+4)	Rs.-----
6. Deduct :	
(a) Standard Deduction	Rs.-----
(b)	Rs.-----
(c)	Rs.-----
7. Total of deductions of 6	Rs.-----
8. INCOME CHARGEABLE UNDER THE HEAD SALARIES (5-7)	Rs.-----

**B. INCOME FROM HOUSE PROPERTY**

1. Address(es) of the Property(es)		
2. Self occupied Yes/No.	3. ALV/ANNUAL RENT	Rs.-----
4. Less :		
(a)	Rs.-----	
(b)	Rs.-----	
(c)	Rs.-----	
5. Total of 4		Rs.-----
6. Balance (3-5)		Rs.-----
7. Other deductions :		
(a) Repairs	Rs.-----	
(b)	Rs.-----	
(c)	Rs.-----	
(d)	Rs.-----	
(e)	Rs.-----	
(f)	Rs.-----	
(g)	Rs.-----	
(h)	Rs.-----	
(i)	Rs.-----	
8. Total of 7		Rs.-----
9. INCOME CHARGEABLE UNDER THE HEAD INCOME FROM HOUSE PROPERTY(6-8)	Rs.-----	

## C. PROFITS AND GAINS OF BUSINESS OR PROFESSION

1. Business or Profession (other than speculation business): Net Profit/Loss as per Profit & Loss account		Rs.
2. Adjustments:	Add Rs. Rs. Rs. Rs. Rs. Rs. Rs.	Deduct Rs. Rs. Rs. Rs. Rs. Rs. Rs.
3. Total of Adjustments	Rs.	Rs.
4. Balance after adjustments in 1 ± 3 above		Net Profit/Loss Rs.
5. Share in Profit/Loss of RF(s)		Rs.
6. Adjustments :	Add Rs. Rs. Rs. Rs.	Deduct Rs. Rs. Rs. Rs.
7. Total of adjustments	Rs.	Rs.
8. Balance after adjustments in 5 ± 7 above		Net Profit/Loss Rs.
9. Share in Profit or Loss of URF/AOP/BOI	Rs.	Rs. Total Rs.
10. Adjustments :	Add Rs. Rs. Rs.	Deduct Rs. Rs. Rs.
11. Total of Adjustments	Rs.	Rs.
12. Balance after Adjustments in 9 ± 11 above		Net Profit/Loss Rs.
13. Total (i.e., Result of 4, 8 & 12)		Rs.
14. Less: Brought forward unabsorbed losses or allowances from earlier years	(a) Rs. (b) Rs. (c) Rs.	Total Rs.
15. CHARGEABLE INCOME FROM BUSINESS OR PROFESSION (OTHER THAN SPECULATION BUSINESS) (i.e., Result of 13 & 14)		Rs.
16. Speculation Business		Rs.
17. Adjustments :	Add Rs. Rs. Rs. Rs.	Deduct Rs. Rs. Rs. Rs.
18. Total of Adjustments	Rs.	Rs.
19. Balance of 16 ± 18		Net Profit/Loss Rs.
20. Brought forward losses from speculation business to the extent these can be set off against 19		Rs.
21. CHARGEABLE INCOME FROM SPECULATION BUSINESS (19 - 20)		Rs.
22. NET CHARGEABLE INCOME FROM BUSINESS OR PROFESSION (15 + 21)		Rs.

**D. CAPITAL GAINS**

	Short Term Assets	Long Term Assets
1. Particulars of asset transferred	Rs. _____	Rs. _____
2. Period held before transfer	Rs. _____	Rs. _____
3. Date of transfer	Rs. _____	Rs. _____
4. Full value of consideration	Rs. _____	Rs. _____
5. Deductions :	Rs. _____	Rs. _____
(i) Cost of Acquisition	Rs. _____	Rs. _____
(ii) Cost of Improvement	Rs. _____	Rs. _____
(iii) Cost of Transfer	Rs. _____	Rs. _____
6. Total of Deductions of 5	Rs. _____	Rs. _____
7. Balance (4—6)	Rs. _____	Rs. _____
8. Less: Other deduction(s)	Rs. _____	Rs. _____
9. Balance (7—8)	Rs. _____	Rs. _____
10. Add :		
Amount deemed to be Capital Gains (Please specify)		
(a)	Rs. _____	Rs. _____
(b)	Rs. _____	Rs. _____
11. Total [10(a) + 10(b)]	Rs. _____	Rs. _____
12. Total (9 ± 11)	Rs. _____	Rs. _____
13. Less : Brought forward losses relating to Long Term Assets		Rs. _____
14. NET AMOUNT OF CAPITAL GAINS	SHORT TERM CAPITAL GAINS LONG TERM CAPITAL GAINS	Rs. _____ Rs. _____

**E. INCOME FROM OTHER SOURCES**

1. (a) Dividends	Rs. _____
(b) Interest	Rs. _____
(c) Winnings from Lotteries, crossword puzzles, races etc.	Rs. _____
(d) Others	Rs. _____
2. Total of 1(a) to 1(d)	Rs. _____
3. Less Deductions (Please specify)	Rs. _____ Rs. _____ Rs. _____
4. Total of Deductions of 3	Rs. _____
5. NET CHARGEABLE INCOME FROM OTHER SOURCES (2—4)	Rs. _____

**F. STATEMENT OF TOTAL INCOME**

1. A Salaries	(Item A.8)	Rs. _____
B. Income from House Property	(Item B.9)	Rs. _____
C. Profits & Gains of Business or Profession	(Item C.22)	Rs. _____
D. Capital Gains		
(i) Short Term Capital Gains	Rs. _____	Rs. _____
(ii) Long Term Capital Gains	Rs. _____	Rs. _____
E. Income from Other Sources	(Item D.14) (Item E.5)	Rs. _____ Rs. _____
2. Gross Total Income (A to E)		Rs. _____
3. Less : Deductions under Chapter VI-A	Rs. _____	Rs. _____
		Total Rs. _____
4. Balance (2—3)		Rs. _____
5. Total Income (As rounded off to the nearest multiple of ten rupees)		Rs. _____

	Lacs	Thousands	Hundreds	Tens
6. Total Income (in words)				
7. NFT AGRICULTURAL INCOME FOR RATE PURPOSES			Rs.	
8. Income included in items A to E being income arising to spouse/ minor child/son's wife/son's minor child or any other person or association of persons.			Rs.	
9. Name & relationship of such person				
10. Income included in items A to E which is chargeable to tax at special rates			Rs.	

## PART II—STATEMENT OF TAXES

1. Tax on Total Income				
(a) At special rates			Rs.	
(b) At normal rates			Rs.	
2. Less: (a) Relief u/s 89(1)			Rs.	
(b) Rebate in respect of share income from URF/AOP/BOI at the average rate of Income tax			Rs.	Total Rs.
3. Balance (1—2)			Rs.	
4. Add :				
(a) Interest on late filing of return			Rs.	
(b) Interest for default in payment of Advance Tax			Rs.	
(c) Interest for determent of Advance Tax			Rs.	Total Rs.
5. Total Tax and Interest Payable (3 + 4)			Rs.	
6. Prepaid taxes : (A) Advances Tax Instalments (Attach Challans)				
	1st	2nd	3rd	TOTAL
Amount (Rs.)				
Date				
Name of Bank				
Branch				
(B) Tax Deducted at Source [Attach Certificate(s)]				
(a) Salaries			Rs.	
(b) Interest			Rs.	
(c) Dividends			Rs.	
(d) Any other item (Please specify)			Rs.	
(e) Total (a to d)			Rs.	
7. Tax on Self Assessment [Attach Challan(s)]			Amount	
Date of Payment		Income tax	Interest in respect of 4 above	
[ ] — [ ] 19 [ ] ]	Rs.	Rs.	Total Rs.	
8. Other prepaid taxes, if any (specify & attach proof)			Rs.	
9. Total of Items (6 to 8)			Rs.	
10. NET TAX PAYABLE OR REFUNDABLE (i.e., Difference of 5 and 9 )			Rs.	

## PART III INFORMATION RELEVANT TO BUSINESS OR PROFESSION

## 1. General Particulars:

a. Name in which business/profession is carried on

---



---



---

b. Name(s) and address(es) of branch(es)

---



---



---



---

c. Nature of business or profession

---

d. Method of accounting: Mercantile/Cash/Mixed

---

e. Method of stock Valuation

---

## 2. In the case of a Firm/AOP/BOI, please furnish following additional Information:

Sl. No.	Name of the partner/ member	Share of profit ratio	Interest paid to partner/member	Salary/remuneration paid to partner/ member	Commission/Bonus paid to partner/ member
(a)	(b)	(c)	(d)	(e)	(f)
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					
6.					

## 3. Amount deducted in computing Income from Profits and Gains of Business or Profession

Sl. No.	Particulars	Amount (Rs.)
(a)	Depreciation	
(b)		
(c)		
(d)		
(e)		
(f)		
(g)		
(h)		
(i)		
(j)		
(k)		
(l)		

**PART-IV INCOME CLAIMED EXEMPT**

1.	Nature of Income	Amount(Rs.)	Reasons for claim
	(a)		
	(b)		
	(c)		
	(d)		

**PART-V LIST OF DOCUMENTS/STATEMENTS ATTACHED**

2.	(a)
	(b)
	(c)
	(d)
	(e)
	(f)
	(g)
	(h)
	(i)

**3. VERIFICATION**

I.....(name in full & block letters) \*son/daughter/wife of.....solemnly declare that to the best of my knowledge and belief the information given in this return and the annexures and statements accompanying it is correct and complete and that the amount of total income and other particulars shown therein are truly stated and related to the previous years relevant to the assessment year 19 [ ] - [ ].

I further solemnly declare that during the said previous year(s):

- (a) no other income accrued or arose to or was received by me from any asset held in my name or in the name of any other person;
- (b) there is no other income, including income of any other person, in respect of which I am chargeable to tax under the Income tax Act, 1961.

I further solemnly declare that during the said previous year(s)

- (a) no other income accrued or arose to or was received by \*the person for and on whose behalf this return is furnished/the person in respect of whose total income I am assessable from any asset held in \*the name of the person for and on whose behalf this return is furnished/the name of the person in respect of whose total income I am assessable, or in the name of any other person;
- (b) there is no other income including income of any other person in respect of which the said person is chargeable to tax under the income tax Act, 1961.

I further declare that I am making this return in my capacity as.....(designation) and that I am competent to make this return and verify it.

Place.....

Date.....

\*\*(Name and Signature)

\* Strike out whichever is not applicable

\*\* Before signing the declaration the signatory should satisfy himself that this return and the accompanying annexures and statements are correct and complete in all respects. Any person making the false statement in the return or the accompanying annexures or statements shall be liable to prosecution under section 277 of the Income-tax Act, 1961 and on conviction be punishable under that section with rigorous imprisonment and with fine.

## NOTES

## FORM No. 2

[Income-tax Act, 1961/Rule 12(i)(b)(i)]

**GENERAL**

- I. Form No. 2 is for assessee(s) other than companies and those claiming exemption under section (11) whose total income includes "Profits and gains of business or profession".
- II. All Parts and columns must be filled in in the manner provided hereunder. If any Part or column does not apply, please mention NA (Not Applicable) and not any mark or symbol.
- III. The number given in these notes under each page refer to the corresponding item numbers on the respective pages of the Return of Income.
- IV. References to sections and rules in these notes are references to the sections and the rules of the Income-tax Act, 1961 and the Income-tax Rules, 1962, respectively.

V. These Notes should be detached and retained by the Assessee.

**Page-1**

1. Strike out whichever is not applicable. If it is a return for assessment year 1990-91 filed for the first time then it is an Original Return. To indicate this, leave 'Original' as it is and strike out the rest, e.g. ORIGINAL.
2. Indicate the assessment year for which the return is filed. (Assessment year is a period of 12 months immediately following the financial year. Thus, for the period 1.4.1989 to 31.3.1990, the assessment year will be 1990-91)
3. If this is a revised return, first give the receipt number and then the date of filling the original return. Exempts. If the original return is filed on 15-6-1990, for which the department had issued receipt No. 4210, it should be indicated in the boxes as :

4	2	1	0		1	5	-	10	6	-	1	9	9	0
---	---	---	---	--	---	---	---	----	---	---	---	---	---	---

4. The Permanent Account Number given to the tax payer is to be quoted here. If it is not so given, indicate the GIR number, if any. If neither is given, write NOT ALLOTTED.
5. Write your name using block letters. Surname should be given first. Leave one box blank after each limb Example : for Satya Prakash Sharma, write .

S	H	A	R	M	A	S	A	T	Y	A		P	R	A	K	A	S	H
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	--	---	---	---	---	---	---	---

6. For indicating the status, please use one of the following codes.:

(a) Individual	01
(b) Hindu Undivided Family (other than mentioned below)	02
(c) Hindu Undivided Family which has at least one member with total income of the previous year exceeding Rs. 18,000	03
(d) Unregistered Firm	04
(e) Registered Firm (other than one engaged in profession)	05
(f) Registered Firm engaged in profession	06
(g) Association of person (AOP)	07
(h) Association of person (Trusts)	08
(i) Body of individuals (BOI)	09
(j) Artificial juridical person	10
(k) Co-operative Society	11
(l) Local authority	16

Example : If it is the case of a Hindu Undivided Family, which has at least one member with taxable income exceeding Rs. 18,000 the correct code will be 03.

7. Please use one of the following codes to indicate the residential status :

Resident	01
Non-resident	02
Resident but not ordinarily resident	03

Relevant provisions are in Section 6.

8. Name here the Income-tax Ward/Circle/Range where assessed/assessable. If you are not aware, please enquire from the Public Relations Officers of the I.T. Office or at the Receipt Counter.
9. & 10. Give your complete Office and Residential addresses along with PIN codes and Telephone Numbers, if any.

11. Strike out whichever is not applicable

12. Please mention receipt No. and date of filing Form No. 11/11A/12, as the case may be, in the given space.

#### Page-2 Part-1

##### A. SALARIES

Give the name(s) and address(es) of the employer(s). If you are in the employment of Government, strike out 'No'. In any other case, strike out 'Yes'.

- Indicate here the gross salary received/receivable from the employee in relation to the assessment year for which the return is furnished (eg. Salary including arrears or advance of salary, payment received in lieu of leave not availed of, bonus, wages, fees, pension (including commuted value of pension), any annuity or gratuity due (whether paid or allowed), and house rent and all other allowances). Salary received/receivable from more than one employer should be included in the gross salary. Relevant provisions are in sections 16 and 17 of the I.T. Act, 1961.

In the case of an individual, if any amount is received in the current year or in the earlier as gratuity which has been claimed as exempt, a separate statement may be attached.

- Indicate here the allowances to the extent exempt under section 10.

- Indicate here the balance (i.e. 1-2).

- Add the value of perquisites and profits in lieu of salary. Specify each item separately along with the monetary value thereof, in the given column(s), if the space is inadequate, attach separate sheet. Perquisites provided by an employer can be:

(i) Free or concessional accommodation—Section 17(2)(i) and (ii)

(ii) Free or concessional benefits/amenities—Section 17(2)(iii)

(a) Conveyance—rule 3(c)

(b) Gas, electricity, water—rule 3(d)

(c) Domestic or personal services.

(d) Personal travelling.

(e) An other item (Give details).

(iii) Payment by employer in respect of obligations of assessee (including children's education, income-tax etc.) and sums payable by employer for life insurance or annuity—Section 17(2)(iv) and v

- The sum of items 3 and 4 should be given here. Please attach salary certificate(s).

- Admissible deductions from salary income should be claimed here. Specify each item separately, e.g.:

\*Standard deduction. A sum equal to 33-1/3% of the Salary or twelve thousand rupees, whichever is less, is allowed in computing taxable salary.

\*Entertainment allowance—Section 16(ii)

\*Profession tax—Section 16(iii)

- The total amount of deductions claimed from gross salary is to be given here.

- Indicate here the net income chargeable under the head 'SALARIES'.

##### B. INCOME FROM HOUSE PROPERTY

- Please give complete postal address(es) of the property(ies). If the assessee owns more than one property. Please mention that on a separate sheet and attach that to this Return.

- To indicate whether the property is self occupied or otherwise, strike out 'Yes' or 'No,' as the case may be.

- Indicate here the annual lettable value or the annual rent received/receivable, whichever is higher. If you own more than one house property, please give separate computation in respect of each such property using the columns indicated here.

- The deductions admissible under section 23 should be claimed here; such as :

(a) Municipal Taxes : Assessee can claim deduction only if these are (i) borne by him and not by tenant and (ii) paid during the year. Please attach proof of such payment.

(b) New construction allowance. The relevant provisions are given in the second proviso to Section 23(1).

(c) If one or more of such properties are in the occupation of the owner for the purposes of his own residence, that property may be specified in respect of which the assessee claims the annual value be taken at 'nil' in accordance with the provisions of section 23(2).

Specify each item of deduction separately along with the amount claimed deductible thereunder.

5. The sum total of deductions claimed u/s 23 is to be indicated here.
6. Indicate here the balance (i.e. 3-5).
7. Indicate here the deduction(s) claimed u/s 24 (specifying each item separately), such as :
  - (i) Repairs—The assessee is entitled to one sixth of the Annual Value as repairs if it is not borne by a tenant—Section 24(1)(i).
  - (ii) Insurance—Section 24(1)(ii)
  - (iii) Annual charge—Section 24(1)(iv)
  - (iv) Ground Rent—Section 24(1)(v)
  - (v) Interest on borrowed capital—Section 24(1)(vi)
  - (vi) Land Revenue—Section 24(1)(vii)
  - (vii) Collection Charges (the admissible limit is the actual expenditure or 6% of the ALV, whichever is less)—Section 24(1)(viii).
  - (viii) Vacancy allowance—Section 24(1)(ix)
  - (ix) Unrealisable rent—Section 24(1)(x)
8. The sum total of deductions claimed u/s 24 is to be indicated here.
9. The net income chargeable under the head 'INCOME FROM HOUSE PROPERTY' (i.e. 6-8) is to be indicated here.

**Page 3**

### C. PROFITS AND GAINS OF BUSINESS OR PROFESSION

#### 1. Business of Profession (other than speculation business)

Please furnish with the Return following documents/information material to computation of income:

- I. If regular books of account are maintained, copies of -
  - (a) manufacturing account, trading account, profit and loss account or income and expenditure account or any other similar account and balance sheet.
  - (b) in the case of —
    - (i) a proprietary business or profession the personal account of the proprietor;
    - (ii) a firm, association of persons or body of individuals, personal accounts of the partners or members.
  - (c) where the accounts of the assessee have been audited copies of the audited profit and loss account and balance sheet and the auditor's report and the cost audit report (if applicable).
- II. If regular books of account are not maintained, attach a statement indicating the amounts of turnover or gross receipts, gross profits, expenses and net profit of the business of profession and the basis on which such amounts have been computed and disclosing the amounts of the total sundry debtors, sundry creditors, value of stock-in-trade and cash balance as at the end of the previous year.
- III. (a) (i) If the accounts are audited under section 44AB the report of such audit together with the requisite particulars.
  - (ii) In case the assessee has claimed deduction under section 80HHC in respect of profits retained for export business the report of accountant relating to the deduction together with the requisite particulars.
  - (iii) In case the assessee has claimed deduction under section 32AB or 80HHA or 80HHD, report(s) of the accountant in respect of the deduction(s) so claimed.
 (b) In case the provisions of section 44AC, 44B, 44BB and 44BBA are applicable, details regarding the same.
- IV. Additional information to be furnished by assessee engaged in contract work: If the value of materials supplied by the person with whom the contract was made or the amount of security deposit (out of the payment due for work done) retained by him has not been included in the gross receipts shown, please attach a statement showing the value of materials and the amount of security deposit.
- V. Additional information to be furnished by producers of cinematograph films: please indicate whether the statement of payments to persons engaged in the production of cinematograph films has been delivered to the concerned Assessing Officer under section 285B.
- VI. In case of a dealer/broker/agent or any other person concerned in the management of a stock or commodity exchange, he should furnish a statement of the names and addresses of all persons to whom he or the exchange has paid in the previous year any sum or aggregate sums:
  - (a) In excess of Rs. 2,000 by way of 'difference.'
  - (b) In excess of Rs. 10,000 in connection with the transfer, whether by way of sale, exchange or otherwise, of assets, or on whose behalf or from whom he or the exchange has received any sum together with particulars (amount, date, etc. of such payments and receipts).
- VII. If the assessee has paid during the previous year, rent, commission, royalty or brokerage or any annuity (not being an annuity assessable under the head "salaries") exceeding one thousand rupees, separate statement (according to nature of payment) showing the names and addresses of the payees and the amounts paid should be furnished in a separate sheet along with return. If any payee is a non-resident it should be indicated whether tax has been deducted at source and paid to the credit of the Central Government or not. Also please attach statement containing names of persons and gross amounts in case of sales and purchases exceeding Rs. 10,000 in value.
- VIII. If the assessee is liable to deduct tax at source under section 192, 193, 194A, 194B, 194BB, 194C, 194D, 194E or 195, state whether the prescribed returns have been furnished to the concerned Assessing Officer and indicate the date(s) of furnishing such return(s).

**Net Profit/Loss as per Profit and Loss Account**

Give here the profit/loss as per Profit & Loss Account from business/profession (other than speculation business). Where the assessee has more than one business/profession, or has any deemed income or income from a discontinued business/profession, computation for each such business/profession should be given in separate sheets (using the same format as given in this Sub-Part) and attached to the return.

**2. Adjustments :**

**A. Please indicate additions and deductions of amounts which have not been adjusted in the Profit/Loss Account in accordance with Sections 28 to 44C.**

**B. Also please furnish with the Return :****I. Particulars in respect of depreciation allowance :****(a) in respect of each block of assets :**

- (i) description of assets forming part of the block in the beginning of the previous year, their written down value, description and cost of assets purchased during the year and the description and sale price of any asset sold during the year;
- (ii) written down value at the end of the year;
- (iii) the rate at which depreciation claimed and the amount of depreciation.

- (b) Description of assets forming part of the block of assets eligible for 100% depreciation during the year. Also state whether any of these assets were sold during the year and if so, the break-up of the sale price in respect of each such asset.
- (c) Description of assets forming part of the block of assets which exists but whose written down value has been reduced to NIL as the full value of the consideration received on the transfer of any asset forming part of the block during the year exceeds the written down value of the said block at the beginning of the year together with the cost of any asset of that block purchased during the year.

**II. Particulars in respect of Investment Allowance, Investment Deposit Account :**

- (a) Details of ship or aircraft or plant for machinery purchased during the year on which Investment Allowance has been claimed and the rate thereof (Also attach supporting evidence of acquiring the asset).
- (b) Details of deposit(s) made with Development Bank in accordance with the Investment Deposit Account Scheme, 1986 [section 32AB(1)(a)] (attached proof of deposit(s)).
- (c) Details of ship or aircraft or plant or machinery purchased on which deduction under Investment Deposit Account claimed [Section 32AB(1)(b)] (attach supporting evidence for the purchase).
- (d) Details of assets purchased out of the withdrawals made in accordance with the Investment Deposit Account Scheme, 1986 or the Investment Deposit Account Scheme, 1986 (Tea). [Attach supporting evidence for the purchase of the new asset, the amount(s) withdrawn from the Industrial Development Bank of India or the National Bank for Agriculture and Rural Development, as the case may be, and the date(s) of the withdrawal(s).]
- (e) Details of expenditure incurred out of the amount(s) withdrawn from National Bank for Agriculture and Rural Development in accordance with the Investment Deposit Account Scheme, 1986 (Tea), giving the break-up of the amount and the date(s) of the withdrawal(s).

**3. Indicate the aggregate amount of adjustments separately under the Add and Deduct columns.**

**4. Net profit/loss (i.e. balance after adjustments of 1 and 3) should be indicated here.**

5. Share in Profit/Loss of RF(s) : The space provided is for indicating share from one firm. In case assessee is a partner in more than one Registered Firms, then mention such share in profits/loss of RFs on separate sheet(s) using the same columns as indicated here and attach that to the Return. Also please attach copy/copies of personal account(s) in the firm(s).
6. Adjustments : Under 'Add' and 'Deduct' columns mention those additions and deductions which the assessee is liable/entitled to in relation to share in profit/loss of RF shown in 5 above and not already adjusted in the case of such RF.
7. Indicate the aggregate amount of adjustments separately under the Add and Deduct columns.
8. Net profit/loss (i.e. balance after adjustments of 5 and 7) should be indicated here.
9. I. Please mention here share in profits or loss of URF/AOP/BOI separately in the given space and take the sum total of all these to the outer column. (Strike out whichever is not applicable). If the space provided is insufficient, use a separate sheet and attach that to the return.

**II. Assessee should also furnish with the Return :**

- (i) If a partner in an URF or a member of an AOP/BOI, his personal account(s) in such URF/AOP/BOI.
- (ii) Complete details regarding Discontinued Business/Profession on a separate sheet.
- (iii) Details of the amount(s) deemed to be his income under Section 32A/32AB/33AC/80HHD(5).
- (iv) If the assessee has received income from his employee as contribution to any fund specified in section 2(24)(x) during the previous year, which is chargeable to tax under the head "Profits and Gains of Business or Profession" or "Income from Other Sources", details of such income as well as of sums credited by the assessee to the employee's account in the relevant funds on or before the due date mentioned in section 36(1)(va).

**III. If the space provided is insufficient, then mention details on a separate sheet and attach that to the Return.**

10. Under 'Add' and 'Deduct' columns mention those additions and deductions which the assessee is liable/entitled to in relation to share in Profit/Loss of URF/AOP/BOI shown in 9 above and not already adjusted in the case of URF/AOP/BOI.
11. Indicate the aggregate amount of adjustments separately under the Add and Deduct columns.
12. Net profits/loss (i.e. balance after adjustments of 9 and 11) should be indicated here.
13. The net result of balances shown at 4, 8 & 12 above should be indicated here.
14. I. Indicate here the unabsorbed losses/allowances brought forward from earlier years. Please specify the items and amounts separately. If the space provided is insufficient, use separate sheet(s) and attach that to the Return.
- II. In case where profits are insufficient to absorb brought forward losses/allowances and current depreciation, the same should be deducted in the following order :
  - Current scientific research expenditure [section 35(1)]
  - Current depreciation [section 32(1)]
  - Brought forward business losses [section 72(1)]
  - Unabsorbed family planning promotion capital expenditure [section 36(1)(ix)]
  - Unabsorbed depreciation [section 32(2)]
  - Unabsorbed scientific research capital expenditure [section 35(4)]
  - Unabsorbed development allowance [section 33A(2)(ii)]
  - Current development allowance [section 32A(2)(i)]
  - Unabsorbed investment allowance [section 32A(3)(ii)]
  - Current investment allowance [section 32A(3)(i)]

15. Indicate here the result of 13 and 14 [i.e. resultant 'INCOME/LOSS FROM BUSINESS/PROFESSION' (other than speculation business)].
16. Mention the amount of income earned from Speculation Business. If this represents share from RF/URF/AOP/BOI then it should be clearly stated and complete details of such RF/URF/AOP/BOI, such as the names of partners/members, their profit sharing ratios and copy of personal account of the assessee in such RF/URF/AOP/BOI should also be furnished and attached to the Return.
17. Adjustments : Please indicate additions and deductions of amounts which have either not been adjusted in the Profits/Loss Account, or if adjusted these are higher or lower than the admissible amounts. Additions/deductions which the assessee is liable/entitled to in relation to share in profits/loss of RF/URF/AOP/BOI and not already adjusted in the case of such RF/URF/AOP/BOI should also be indicated here.
18. Indicate the aggregate amount of adjustments separately under the Add and Deduct columns.
19. Net profit/loss (i.e. balance after adjustments of 16 and 18) should be indicated here.
20. The speculation loss brought forward from earlier year(s) to the extent the same can be set off against 19 is to be given here. The balance speculation loss from earlier year(s) to be carried forward may be indicated on a separate sheet.
21. Indicate here the chargeable INCOME FROM SPECULATION BUSINESS (i.e. the adjusted balance of 19 and 20).
22. Indicate here the net chargeable 'INCOME FROM BUSINESS OR PROFESSION' (i.e. 15+21). In case the amount at 21 is a loss then the same cannot be adjusted against 15. In that case the amount at 15 should be repeated at 22.

Page—4

#### D. CAPITAL GAINS

1. Give the description of the assets transferred. Separate columns have been provided for short term and long term assets. The particulars of assets transferred should accordingly be given in the respective columns. If the transfer involves more than two short term/long term assets, separate computation sheet, in the given format, should be attached to the Return.
2. Indicate here the date of acquisition and the period for which the asset has been held by the assessee before transfer.
3. Give here the date on which the asset has been transferred.
4. The gross amount realiscd/realisable from the transfer of the asset is to be indicated here.
5. Please indicate here :
  - (i) Cost of Acquisition : It is the cost incurred by the assessee in acquiring the asset or the cost in terms of sections 49 and 55(2).
  - (ii) Cost of improvements : It is 'nil' in relation to 'goodwill' while in relation to other assets, it is the cost incurred in improving the asset—Section 55(1)(b).
  - (iii) Cost of Transfer : It is the cost in connection with the transfer—Section 48(1)(a)(i).
6. The sum total of deductions of 5 is to be indicated here.
7. Indicate here the balance amount (4—6). If this results in a loss, indicate it by a minus (—) symbol.
8. Other deductions : The deductions admissible against short term and long term capital gains are to be indicated here separately. Please specify each item alongwith the amount deductible thereunder. If the space is inadequate, use separate sheet(s). These deductions will not be admissible if the balance of 7 results in a loss.

The admissible deductions are :

I. Short term capital gains :

- (i) Amount exempt under section 54B(1), 54D(1) or 54G(1).
- (ii) Amount deposited under Section 54B(2), 54D(2) or 54G(2).

II. Long term capital gains :

- (i) Amount exempt under Section 53, 54(1), 54B(1), 54D(1), 54F(1) or 54G(1).
- (ii) Amount deposited under Section 54(2), 54B(2), 54D(2), 54E(1), 54F(4) or 54G(2).
- (iii) Under Section 48(2).

9. Please indicate here the balance amount (7-8). If the balance of 7 is loss, the same should be repeated here.
10. Amount deemed to be income under the head 'Capital Gains' should be indicated here. Please specify each item separately alongwith the amount includible thereunder. The relevant provisions relating to such deemed income are in Sections 45(2)(3)/(4)/(5), 50, 54(2), 54B(2), 54D(2), 54E(2), 54F(4) and 54G(2).
11. The total amount of deemed capital gains is to be indicated here. It should be indicated separately in respect of short term and long term assets.
12. Indicate here the net result of 9 and 11 separately for short term and long term capital gains.
13. Indicate here the losses relating to long term assets brought forward from earlier years.
14. The net amount of short term and long term capital gains/losses under the head 'CAPITAL GAINS' should be indicated here.

#### E. INCOME FROM OTHER SOURCES

1. (a) Please mention the gross amount of dividend(s). Attach a separate sheet giving the following information :
  - (i) name of the Company;
  - (ii) number of shares;
  - (iii) gross amount of dividend;
  - (iv) tax deducted at source.

If the assessee has received any sum of the nature described under section 2(22)(c) and which is to be deemed as dividend, a statement should be furnished giving name and address of the company, nature of payment received and the sum so received.

Please attach dividend warrants and other supporting evidence.

- (b) Please mention the gross amount of interest(s) received/receivable. Attach a seprate sheet, giving information regarding each item of interest received/receivable and attach supporting evidence.
- (c) Give here the gross amount of winnings from lotteries, crossword puzzles and raccs, etc, and attach separate computation if there are two or more items, and attach supporting evidence.
- (d) Specify other incomes chargeable under the head 'Income from Other Sources.'
2. The sum total of gross receipts is to be indicated here.
3. Specify the item(s) and the amount(s) of deduction(s) claimed thereunder. The relevant provisions are in Section 57.

4. The total of deductions claimed should be indicated here.
5. The net income chargeable under the head 'INCOME FROM OTHER SOURCES' is to be given here.

Page-5

#### F. STATEMENT OF TOTAL INCOME

1. Give here the net amounts chargeable to tax under different Heads of Income against items A to E. These should be same as shown against items A.8 and B.9 at page 2, item C.22 at page 3 and items D.14 and E.5 at page 4, respectively.
2. The sum total of A to E should be indicated here.
3. I. The deduction(s) claimed under Chapter VI-A should be indicated here. The aggregate amount of these deductions should be shown in the Total.  
II. Please give the computation of the gross amount of payment/contribution, the qualifying amount and the net amount of deduction claimed. If the space provided is insufficient, give the computation on a separate sheet and attach that to the Return.  
III. Please also attach proof of payment/contribution to support the claim.

The eligible deductions under Chapter VI-A relate to :

- (i) Payments towards life insurance premium, provident fund contribution, instalments/part payments/ repayment of loans from Government, Banks etc. for purchase/construction of residential house property. Over all ceiling limits on qualifying amounts are Rupees 60,000 in the case of an author, playwright, artist, musician, actor or sportsman (including an athlete) and Rs.40,000 in the case of an individual or a Hindu undivided family or any association of persons or a body of individuals. Deduction under this section is to be calculated as under :

First Rs. 6,000	100%
Next Rs. 6,000	50%
Balance	40% (Section 80C)

- (ii) Investments in certain new shares upto a maximum of Rs. 20,000. The deduction is allowed @50% of the amount invested. Example: An assessee investing Rs.25,000 will get a deduction of Rs.10,000 (i.e. 50% of the ceiling limit of Rs. 20,000). (Section 80CC).
- (iii) Deposits under the National Savings Scheme, 1987 or payment to deferred annuity plan of Life Insurance Corporation. These are deductible @100% subject to the ceiling limit of Rs. 30,000. (Section 80CCA)
- (iv) Premium paid to GIC for medical insurance. The ceiling limit is Rs.3,000 in respect of premium paid for Medical insurance. (Section 80D).
- (v) Donations to certain funds, charitable institutions, etc. Only cash donations to certain funds, charitable institutions etc. are eligible for deduction under section 80G if the aggregate thereof exceeds Rs. 250. The over all ceiling limit is 10% of gross total income (as reduced by the amount on which no tax is payable or with reference to which the taxpayer is entitled to any deduction under Chapter VI-A). (Section 80G).
- (vi) Rent paid for furnished/unfurnished residential accommodation. Taxpayers not in receipt of any house rent allowance are eligible for deduction in respect of the rent paid for residential accommodation situated in any one of the classified cities including the urban agglomerations. The deduction is admissible in respect of the rent paid in excess of 10% of the total income subject to an over all ceiling of Rs.1000 p.m. or 25% of total income, whichever is less. (Section 80GG).
- (vii) Donation for scientific research, rural development. Deduction in respect of certain donations for scientific research or rural development or conservation of natural resources is available at 100% under Section 80GGA.

- (viii) 20 per cent. of profits and gains from newly established industrial undertakings or hotel business in backward areas subject to certain conditions. (Section 80HH).
- (ix) 20 per cent. of profits and gains from newly established small scale industrial undertakings in certain areas subject to certain conditions. (Section 80HHA).
- (x) 50 per cent. of profits and gains from projects outside India subject to certain conditions. (Section 80HHB).
- (xi) 100 per cent. of profits and gains derived from export of specified goods or merchandise if sale proceeds are receivable in convertible foreign exchange subject to certain condition. (Section 80HHC).
- (xii) Income of approved hotels or of travel agents or of tour operators for services provided to foreign tourists if receipts are convertible foreign exchange to the extent of 50 per cent. of profits from such services plus balance of such [profits of the relevant previous year as is debited to the profit and loss account and credited to a reserve account-subject to certain conditions and specified purposes. (Section 80HHD).
- (xiii) 20 per cent. of profits and gains from industrial undertakings set up after 31-3-1981 subject to certain conditions. (Section 80I).
- (xiv) Dividend, interest income etc. Income by way of interest on certain deposits, dividend on shares, units etc. is eligible for deduction upto over all ceiling limit of Rs.13,000. (Section 80L).
- (xv) Specified incomes of Co-operative Societies subject to varying limits and certain conditions. (Section 80-P).
- (xvi) 25 per cent. of professional income of authors of text books in Indian languages subject to certain conditions. (Section 80QQA).
- (xvii) Remuneration from certain foreign sources in the case of professors, teachers, etc. 50% of such remuneration is eligible for deduction under Section 80R.
- (xviii) 25 per cent. of professional income from foreign sources in the case of authors, playwrights, artists, musicians, actors or sportsmen (including athletes) subject to certain conditions. (Section 80RR).
- (xix) Remuneration received for services rendered outside India. The overall ceiling limit is 50% of the remuneration or 75% thereof brought into India in accordance with the foreign exchange regulations, whichever is higher. (Section 80RRA)
- (xx) Deduction of Rs. 15,000 can be claimed by individuals who are totally blind or permanently physically handicapped or mentally retarded. (Section 80U).

4. The total income chargeable to tax (2-3) is to be given here.

5.&6. Mention here the total income, as rounded off to the nearest multiple of ten rupees, both in figures and words in the manner provided.

7. The net agricultural income computed in accordance with Part IV of the First Schedule to the relevant Finance Act is to be given here.
8. Income arising to other persons and included in the assessee's total income is to be given here.
9. Give here the name and relationship of such other person(s).
10. Give details on a separate sheet if any income is chargeable to tax at a special rate e.g. under section 115BB in respect of winnings from lotteries etc. or section 115E in the case of NRIs or at a maximum marginal rate under any other provisions of the Act.

**PART-II****STATEMENT OF TAXES**

1. The total tax payable on the total income is to be given here.
2. Indicate here—
  - (a) relief under Section 89(1)
  - (b) rebate in respect of share income from URF/AOP/BOI at the average rate of Income-tax.
3. Indicate here the balance amount of income tax payable (i.e. 1-2).
4. Give here interests chargeable for late filing of return, default in payment of advance tax or deferment of advance tax separately. These should be computed in the manner laid down in sections 234A, 234B and 234C.
5. The total amount of tax and interest payable (3+4) is to be indicated here.
6. Give the particulars of (A) Advance Tax Instalments and (B) Tax Deducted at Source in the respective columns provided for the purpose. Tax collected at source under section 206C may be indicated against 'any other item'.
7. Give details of the tax and interest paid on self assessment (i.e. before filing the return) and also attach challan(s) in support of the amounts so paid.
8. Other pre-paid taxes, if any, are to be indicated here. Please attach proof of such payment.
9. The sum total of tax paid is to be given here (i.e. 6+7+8).
10. The net tax payable or refundable, as the case may be, is to be indicated here. For indicating refund, precede it by a minus (--) symbol.

Page-6 Part-III

**INFORMATION RELEVANT TO BUSINESS OR PROFESSION**

- (a) Give full name(s) and address(es) in which the business/profession is carried on. If the space provided is insufficient, please mention such name(s) and address(es) on a separate sheet and attach that to the Return.
- (b) Give full name(s) and address(es) of the branch(es.)
- (c) In case of a business, please specify whether it is Trading/Manufacturing/Wholesale/Retail sale/Export/Import etc. and the main item(s) dealt in. If profession, mention the name of the profession.
- (d) Tick the relevant and strike out others.
- (e) Please mention whether it is 'Cost' or 'Market Price' or 'Otherwise'. If 'Otherwise', give its name and method.
2. Please give here complete information in the appropriate columns.
3. I. Give here specific particulars of the deductions claimed in computing income from Profits and Gains of Business or Profession. If a deduction in respect of Investment Deposit Account is claimed, please attach necessary certificate(s).

**II. Please indicate in the space provided deduction claimed on account of Depreciation. Use the remaining space for indicating deductions admissible in relation to :**

Items	Section
(i) Investment allowance	32A
(ii) Investment Deposit Account	32AB
(iii) Development allowance	33A
(iv) Tea Development allowance	33AB
(v) Rehabilitation allowance	33B
(vi) Expenditure on scientific research	35
(vii) Expenditure on acquisition of patent rights or copyrights.	35A
(viii) Expenditure on know-how	35AB
(ix) Payment to association and institution :	
(a) for carrying rural development programmes	35CCA
(b) for carrying out programmes of conservation of natural resources	35CCB
(x) Amortization of preliminary expenses	35D
(xi) Expenditure on prospecting for certain minerals	35E
(xii) Bonus to employees	36(1)(ii)
(xiii) Interest on borrowed capital	36(1)(iii)
(xiv) Bad debts	36(1)(vii)
(xv) Entertainment expenditure	37
(xvi) Expenditure on :	
(a) advertisement	37
(b) travelling	37

**Page-7 Part-IV**

#### **INCOME CLAIMED EXEMPT**

1. Income claimed exempts should be indicated here. For such item of income claimed exempt, please specify its nature, the amount claimed exempt and the reasons for the claim.

**Part-V**

#### **LIST OF DOCUMENTS/STATEMENTS ATTACHED**

2. Give here complete particulars of documents/statements attached to the return of income.
3. Read the instructions below the verification carefully before signing it. Fill all the relevant columns in the verification. Give the place and date as indicated.

## FORM NO. 3

**RETURN OF INCOME**  
[See Rule 12(1)(b)(iii)]Receipt No. \_\_\_\_\_  
Date \_\_\_\_\_

[For assessees (other than companies and those deriving income from property held for charitable and religious purposes claiming (Please read the attached Notes exemption under section 11) whose total income does not include carefully before filling this Form) "Profits and gains of business or profession"]

1. ORIGINAL/REVISED/U/S 148/237

2. Assessment Year 19  - 

3. If revised, Receipt No. and

4. PAN/GIR NO.

date of filling of original return

5. Name (Surname, first) (in Block Letters)

6. Status 7. Residential   
Status

8. Ward/Circle/Range

9. Office Address (in Block letters)

10. Residential Address (In Block letters)

11. Please indicate :

- (a) Are you a citizen of India?
- (b) Are you a person of Indian origin?
- (c) Are you an NRI in whose case any part of income is to be taxed in accordance with the provisions of Chapter XIIA?  
(if yes, please file the details in a separate sheet)

Yes/No

Yes/No

Yes/No

(d) Is this your first Assessment?

Yes/No

(e) Are you assessed to Wealth-tax?

Yes/No

(f) Have you claimed any Double Taxation Relief?

Yes/No

(i) Under Agreement with Foreign Countries

Yes/No

(ii) In respect of Country with which no Agreement exists.

Yes/No

Name of the Country \_\_\_\_\_

**PART-I COMPUTATION OF INCOME INCLUDING INCOME OF OTHER PERSONS INCLUDIBLE IN ASSESSEE'S TOTAL INCOME AND NET AGRICULTURAL INCOME****A. SALARIES**

Government Yes/No

Name(s) and Address(es) of Employee(s) \_\_\_\_\_

1. Salary (including all allowances)

Rs. \_\_\_\_\_

2. Less : Allowances exempt u/s 10

(a)

Rs. \_\_\_\_\_

(b)

Rs. \_\_\_\_\_

(c)

Rs. \_\_\_\_\_

Rs. \_\_\_\_\_

3. Balance (1-2)

Rs. \_\_\_\_\_

4. Add:

(a)

Rs. \_\_\_\_\_

(b)

Rs. \_\_\_\_\_

(c)

Rs. \_\_\_\_\_

(d)

Rs. \_\_\_\_\_

5. Total(3+4)

Rs. \_\_\_\_\_

6. Deduct :

(a) Standard Deduction

Rs. \_\_\_\_\_

(b)

Rs. \_\_\_\_\_

(c)

Rs. \_\_\_\_\_

7. Total of deductions of 6

Rs. \_\_\_\_\_

8. INCOME CHARGEABLE UNDER THE HEAD SALARIES (5-7)

Rs. \_\_\_\_\_

**B. INCOME FROM HOUSE PROPERTY**

1. Address(es) of the Property(es)			
2. Self occupied YES/NO	3. ALV/ANNUAL RENT	Rs.	
4. Less:			
(a)	Rs.		
(b)	Rs.		
(c)	Rs.		
5. Total of 4		Rs.	
6. Balance (3-5)		Rs.	
7. Other deductions :			
(a) Repairs	Rs.		
(b)	Rs.		
(c)	Rs.		
(d)	Rs.		
(e)	Rs.		
(f)	Rs.		
(g)	Rs.		
(h)	Rs.		
(i)	Rs.		
8. Total 7		Rs.	
9. INCOME CHARGEABLE UNDER THE HEAD INCOME FROM HOUSE PROPERTY (6-8)		Rs.	

**C. CAPITAL GAINS**

	Short Term Assets	Long Term Assets
1. Particulars of asset transferred		
2. Period held before transfer		
3. Date of transfer		
4. Full value of consideration	Rs.	Rs.
5. Deductions :		
(i) Cost of Acquisition	Rs.	Rs.
(ii) Cost of Improvement	Rs.	Rs.
(iii) Cost of Transfer	Rs.	Rs.
6. Total of Deductions of 5	Rs.	Rs.
7. Balance (4-6)	Rs.	Rs.
8. Less : Other deduction(s)	Rs.	Rs.
9. Balance (7-8)	Rs.	Rs.
10. Add :		
Amount deemed to be Capital Gains (Please specify)		
(a)	Rs.	Rs.
(b)	Rs.	Rs.
11. Total [10(a)+10(b)]	Rs.	Rs.
12. Total (9±11)	Rs.	Rs.
13. Less : Brought forward losses relating to Long Term Assets		Rs.
14. NET AMOUNT OF CAPITAL GAINS	SHORT TERM CAPITAL GAINS	Rs.
	LONG TERM CAPITAL GAINS	Rs.

**D. INCOME FROM OTHER SOURCES**

1. (a) Dividends Rs. \_\_\_\_\_  
 (b) Interest Rs. \_\_\_\_\_  
 (c) Winnings from Lotteries, crossword puzzles, races etc. Rs. \_\_\_\_\_  
 (d) Others Rs. \_\_\_\_\_

2. Total of 1(a) to 1(d) Rs. \_\_\_\_\_

3. Less: Deductions (Please specify)

Rs. \_\_\_\_\_  
 \_\_\_\_\_  
 \_\_\_\_\_  
 \_\_\_\_\_

4. Total Deductions of 3 Rs. \_\_\_\_\_

5. NET CHARGEABLE INCOME FROM OTHER SOURCES (2-4) Rs. \_\_\_\_\_

**E. STATEMENT OF TOTAL INCOME**

1. A. SALARIES (Item A.8.) Rs. \_\_\_\_\_  
 B. INCOME FROM HOUSE PROPERTY (Item B.9) Rs. \_\_\_\_\_  
 C. CAPITAL GAINS

(i) Short Term Capital Gains Rs. \_\_\_\_\_ (Item C.14)  
 (ii) Long Term Capital Gains Rs. \_\_\_\_\_

D. INCOME FROM OTHER SOURCES (Item D. 5) Rs. \_\_\_\_\_  
 2. GROSS TOTAL INCOME (A to D) Rs. \_\_\_\_\_

3. Less: Deductions under Chapter VI-A  
 (a) Rs. \_\_\_\_\_  
 (b) Rs. \_\_\_\_\_  
 (c) Rs. \_\_\_\_\_  
 (d) Rs. \_\_\_\_\_  
 (e) Rs. \_\_\_\_\_ Total Rs. \_\_\_\_\_

4. Balance (2-3) Rs. \_\_\_\_\_

5. Total Income (As rounded off to the nearest multiple of ten rupees)  
 (In words) \_\_\_\_\_ Rs. \_\_\_\_\_

6. NET AGRICULTURAL INCOME FOR RATE PURPOSES Rs. \_\_\_\_\_

7. Amount of Income included in items A to D being income arising to spouse/minor child/son's wife/son's minor child or any other person or association of person Rs. \_\_\_\_\_

8. Name & relationship of such person \_\_\_\_\_ Rs. \_\_\_\_\_

9. Income included in items A to D which is chargeable to tax at special rates. Rs. \_\_\_\_\_

**PART-II STATEMENT OF TAXES**

1. Tax on Total Income  
 (a) At special rates Rs. \_\_\_\_\_  
 (b) At normal rates Rs. \_\_\_\_\_

2. Less: Relief u/s 89(1) Rs. \_\_\_\_\_

3. Balance (1-2) Rs. \_\_\_\_\_

4. Add:  
 (a) Interest on late filing of return Rs. \_\_\_\_\_  
 (b) Interest for default in payment of Advance Tax. Rs. \_\_\_\_\_  
 (c) Interest for deferment of Advance Tax. Rs. \_\_\_\_\_ Total Rs. \_\_\_\_\_

5. Total Tax and Interest Payable (3+4) Rs. \_\_\_\_\_

6. Prepaid Taxes: (a) ADVANCE TAX INSTALMENTS (Attach Challans)  
 1st \_\_\_\_\_ 2nd \_\_\_\_\_ 3rd \_\_\_\_\_ TOTAL \_\_\_\_\_

Amount (Rs.)	_____	_____	_____	_____
Date	_____	_____	_____	_____
Name of Bank	_____	_____	_____	_____
Branch	_____	_____	_____	_____



## NOTES

FORM NO. 3  
[Income-tax Act, 1961/  
Rule 12(1)(b)(iii)]

## General

- I. Form No.3 is for assessees (other than companies and those deriving income from property held for charitable and religious purposes claiming exemption under section 11) whose total income does not include "Profits and gains of business or profession".
- II. All Parts and columns must be filled in in the manner provided hereunder. If any part or column does not apply, please mention NA (Not Applicable) and not any mark or symbol.
- III. The numbers given in these notes under each page refer to the corresponding item numbers on the respective pages of the Return of Income.
- IV. References to sections and rules in these notes are references to the sections and the rules of the Income-tax Act, 1961 and the Income-tax Rules, 1962, respectively.
- V. These Notes should be detached and retained by the Assessee.

## Page-1

1. Strike out whichever is not applicable. If it is a return for assessment year 1990-91 filed for the first time then it is an Original Return. To indicate this, leave 'Original' as it is and strike out the rest, eg: ORIGINAL/REVISED/U/S. 148./237
2. Indicate the assessment year for which the return is filed. (Assessment year is a period of 12 months immediately following the financial year. Thus, for the period 1-4-1989 to 31-3-1990 the assessment year will be 1990-91.)
3. If this is a revised return, first give the receipt number and then the date of filing the original return. Example : If the original return is filed on 15-6-1990, for which the department had issued receipt No.4210 it should be indicated in the boxes as :

4	2	1	0		1	5	—	0	6	—	1	9	9	0
---	---	---	---	--	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

4. The Permanent Account Number given to the taxpayer is to be quoted here. If it is not so given, indicate the GIR number, if any. If neither is given, write NOT ALLOTTED.
5. Write your name using block letters. Surname should be given first. Leave one box blank after each limb. Example : for Satya Prakash Sharma, write

S	H	A	R	M	A		S	A	T	Y	A		P	R	A	K	A	S	H
---	---	---	---	---	---	--	---	---	---	---	---	--	---	---	---	---	---	---	---

6. For indicating the status, please use one of the following codes :

(a) Individual	01
(b) Hindu Undivided Family (other than mentioned below)	02
(c) Hindu Undivided Family which has at least one member with total income of the previous year exceeding Rs.18,000.	03
(d) Unregistered Firm	04
(e) Registered Firm (other than the one engaged in profession)	05
(f) Registered Firm engaged in profession	06
(g) Association of persons(AOP)	07
(h) Association of persons (Trusts)	08
(i) Body of individuals (BOI)	09
(j) Artificial juridical person	10
(k) Co-operative society	11
(l) Local authority	16

Example : If it is the case of a Hindu Undivided Family, which has at least one member with taxable income exceeding Rs.18,000, the correct code will be 03.

7. Please use one of the following codes to indicate the residential status :—

Resident	01
Non-resident	02
Resident but not ordinarily resident	03

Relevant provisions are in Section 6.

8. Name here the Income-tax Ward/Circle/Range where assessed/assessable. If you are not aware, please enquire from the Public Relations Officer of the I.T. Office or at the Receipt Counter.

9 & 10. Give your complete Office and Residential addresses along with PIN codes and Telephone Numbers, if any.

11. Strike out whichever is not applicable.

#### Part-I

##### A. SALARIES

Give the name(s) and address(es) of the employer(s). If you are in the employment of Government, strike out 'No'. In any other case, strike out 'Yes'.

1. Indicate here the gross salary received/receivable from the employer in relation to the assessment year for which the return is furnished [e.g. Salary including arrears or advance of salary, payment received in lieu of leave not availed of, bonus, wages, fees, pension (including commuted value of pension), any annuity or gratuity due (whether paid or allowed), and house rent and all other cash allowances]. Salary received/receivable from more than one employer should be included in the gross salary. Relevant provisions are in sections 16 and 17 of the I.T. Act, 1961.

In the case of an individual, if any amount is received in the current year or in the earlier as gratuity which has been claimed as exempt, a separate statement may be attached.

2. Indicate here the allowances to the extent exempt under section 10.

3. Indicate here the balance (i.e. 1-2).

4. Add the value of perquisites and profits in lieu of salary. Specify each item separately along with the monetary value thereof, in the given column(s). If the space is inadequate, attach separate sheet.

Perquisites provided by an employer can be :

(i) Free or concessional accommodation—Section 17(2)(i) and (ii).

(ii) Free or concessional benefits/amenities—Section 17(2)(iii) :

- (a) Conveyance—rule 3(c)
- (b) Gas, electricity, water—rule 3(d)
- (c) Domestic or personal services
- (d) Personal travelling
- (e) Any other item (Give details)

(iii) Payment by employer in respect of obligations of assessee (including children's education, income-tax etc.) and sums payable by employer for life insurance or annuity—Section 17(2)(iv) and (v).

5. The sum of items 3 and 4 should be given here. Please attach salary certificate(s).

6. Admissible deductions from salary income should be claimed here. Specify each item separately e.g.:

- Standard deduction : A sum equal to 33-1/3% of the Salary or twelve thousand rupees, whichever is less, is allowed in computing taxable salary.
- Entertainment allowance—Section 16(ii)
- Profession tax—Section 16(iii)

7. The total amount of deductions claimed from gross salary is to be given here.

8. Indicate here the net income chargeable under the head 'SALARIES'.

##### B. INCOME FROM HOUSE PROPERTY

1. Please give complete postal address(es) of the property(ies). If the assessee owns more than one property, please mention that on a separate sheet and attach that to the Return.

2. To indicate whether the property is self occupied or otherwise, strike out 'Yes' or 'No', as the case may be.

3. Indicate here the annual lettable value or the annual rent received/receivable, whichever is higher. If you own more than one house property, please give separate computation in respect of each such property using the columns indicated here.

4. The deductions admissible under section 23 should be claimed here, such as :

- (a) Municipal Taxes : Assessee can claim deduction only if these are (i) borne by him and not by tenant and (ii) paid during the year. Please attach proof of such payment.
- (b) New construction allowance : The relevant provisions are given in the second proviso to Section 23(1).
- (c) If one or more of such properties are in the occupation of the owner for the purposes of his own residence, that property may be specified in respect of which the assessee claims the annual value be taken at 'nil' in accordance with the provisions of section 23(2).

Specify each item of deduction separately alongwith the amount claimed deductible thereunder.

5. The sum total of deductions claimed u/s 23 is to be indicated here.

6. Indicate here the balance (i.e., 3—5).

7. Indicate here the deduction(s) claimed u/s 24 (specifying each item separately) such as :

- (i) Repairs—The assessee is entitled to one-sixth of the Annual Value as repairs if it is not borne by a tenant—Section 24(1)(i)
- (ii) Insurance—Section 24(1)(ii)
- (iii) Annual Charge—Section 24(1)(iv)
- (iv) Ground Rent—Section 24(1)(v)
- (v) Interest on borrowed capital—Section 24(1)(vi)
- (vi) Land Revenue—Section 24(1)(vii)
- (vii) Collection Charges (the admissible limit is the actual expenditure or 6% of the ALV, whichever is less)—Section 24(1)(viii).
- (viii) Vacancy allowance—Section 24(1)(ix)
- (ix) Unrealisable rent—Section 24(1)(x)

8. The sum total of deductions claimed u/s 24 is to be indicated here.

9. The net income chargeable under the head 'INCOME FROM HOUSE PROPERTY' (i.e., 6—8) is to be indicated here.

#### C. CAPITAL GAINS

1. Give the description of the assets transferred. Separate columns have been provided for short-term and long-term assets. The particulars of assets transferred should accordingly be given in the respective columns. If the transfer involves more than two short-term/long-term assets, separate imputation sheet, in the given format, should be attached to the Return.

2. Indicate here the date of acquisition and the period for which the asset has been held by the assessee before transfer.

3. Give here the date on which the asset has been transferred.

4. The gross amount realised/realisable from the transfer of the asset is to be indicated here.

5. Please indicate here :

- (i) Cost of Acquisition : It is the cost incurred by the assessee in acquiring the asset or the cost in terms of sections 49 and 55(2).
- (ii) Cost of Improvements : It is 'nil' in relation to 'goodwill' while in relation to other assets, it is the cost incurred in improving the asset—Section 55(1)(b).
- (iii) Cost of Transfer : It is the cost in connection with the transfer—Section 48(1)(a)(i).

6. The sum total of deductions of 5 is to be indicated here.

7. Indicate here the balance amount (4—6). If this results in a loss, indicate it by a minus (—) symbol.

8. Other deductions : The deductions admissible against short-term and long-term capital gains are to be indicated here separately. Please specify each item alongwith the amount deductible thereunder. If the space is inadequate, use separate sheet(s). These deductions will not be admissible if the balance of 7 results in a loss.

The admissible deductions are :

- I. Short-term capital gains :
  - (i) Amount exempt under section 54B(1), 54D(1) or 54G(1).
  - (ii) Amount deposited under Section 54B(2), 54D(2) or 54G(2).
  
- II. Long-term capital gains :
  - (i) Amount exempt under Section 53, 54(1), 54B(1), 54D(1), 54F(1) or 54G(1)
  - (ii) Amount deposited under Section 54(2), 54B(2), 54D(2), 54E(1), 54F(4) or 54G(2)
  - (iii) Under Section 48(2).
  
9. Please indicate here the balance amount (7—8). If the balance of 7 is a loss, the same should be repeated here.
  
10. Amount deemed to be income under the head 'Capital Gains' should be indicated here. Please specify each item separately alongwith the amount includible thereunder. The relevant provisions relating to such deemed income are in Sections 45(2)/(3)/(4)/(5), 50, 54(2), 54B(2), 54D(2), 54E(2), 54F(4) and 54G(2).
  
11. The total amount of deemed capital gains is to be indicated here. It should be indicated separately in respect of short-term and long-term assets.
  
12. Indicate here the net result of 9 and 11 separately for short-term and long-term capital gains.
  
13. Indicate here the losses relating to long-term assets brought forward from earlier years.
  
14. The net amount of short-term and long-term capital gains/losses under the head 'CAPITAL GAINS' should be indicated here.

**Page 3**

#### D. INCOME FROM OTHER SOURCES

1. (a) Please mention the gross amount of dividend(s). Attach a separate sheet giving the following information :

- (i) name of the Company;
- (ii) number of shares;
- (iii) gross amount of dividend;
- (iv) tax deducted at source.

If the assessee has received any sum of the nature described under section 2(22)(c) and which is to be deemed as dividend, a statement should be furnished giving name and address of the company, nature of payment received and the sum so received.

Please attach dividend warrants and other supporting evidence.

- (b) Please mention the gross amount of interest(s) received/receivable. Attach a separate sheet, giving information regarding each item of interest received/receivable and attach supporting evidence.
  
- (c) Give here the gross amount of winnings from lotteries, crossword puzzles and races, etc. and attach separate computation if there are two or more items, and attach supporting evidence.
  
- (d) Specify other incomes chargeable under the head 'Income from Other Sources'.
  
2. The sum total of gross receipts is to be indicated here.
  
3. Specify the item(s) and the amount(s) of deduction(s) claimed thereunder. The relevant provisions are in Section 57.
  
4. The total of deductions claimed should be indicated here.
  
5. The net income chargeable under the head 'INCOME FROM OTHER SOURCES' (i.e., 2—4) is to be given here.

**E. STATEMENT OF TOTAL INCOME**

1. Give here the net amounts chargeable to tax under different Heads of Income against items A to D. These should be same as shown against item A.8 at page 1, items B.9 and C.14 at page 2, and item D.5 at page 3 respectively.
2. The sum total of A to D should be indicated here.
3. I. The deduction(s) claimed under Chapter VI-A should be indicated here. The aggregate amount of these deductions should be shown in the Total.
- II. Please give the computation of the gross amount of payment/contribution, the qualifying amount and the net amount of deduction claimed. If the space provided is insufficient, give the computation on a separate sheet and attach that to the Return.
- III. Please also attach proof of payment/contribution to support the claim.

The eligible deductions under Chapter VI-A relate to :

- (i) Payments towards life insurance premium, provident fund contribution, instalments/part payments/repayment of loans from Government, Banks etc. for purchase/construction of residential house property. Over all ceiling limits on qualifying amounts are Rs. 60,000/- in the case of an author, playwright, artist, musician, actor or sportsman (including an athlete) and Rs. 40,000/- in the case of an individual or a Hindu undivided family or any association of persons or a body of individuals. Deduction under this section is to be calculated as under :
 

First Rs. 6,000	100%
Next Rs. 6,000	50%
Balance	40% (Section 80C)
  - (ii) Investments in certain new shares upto a maximum of Rs. 20,000/-. The deduction is allowed @50% of the amount invested. Example: An assessee investing Rs. 25,000/- will get a deduction of Rs. 10,000/- (i.e. 50% of the ceiling limit of Rs. 20,000/-). (Section 80CC).
  - (iii) Deposits under the National Savings Scheme, 1983 or payment to deferred annuity plan of Life Insurance Corporation. These are deductible @ 100% subject to the ceiling limit of Rs. 20,000/-. (Section 80CCA).
  - (iv) Premium paid to GIC for medical insurance. The ceiling limit is Rs. 3,000/- in respect of premium paid for Medical insurance. (Section 80D).
  - (v) Donations to certain funds, charitable institutions, etc. Only cash donations to certain funds, charitable institutions etc. are eligible for deduction under section 80G if the aggregate thereof exceeds Rs. 250.-. The over all ceiling limit is 10% of gross total income (as reduced by the amount on which no tax is payable or with reference to which the taxpayer is entitled to any deduction under Chapter VI-A). (Section 80G).
  - (vi) Rent paid for furnished/unfurnished residential accommodation. Taxpayers not in receipt of any house rent allowance are eligible for deduction in respect of the rent paid for residential accommodation situated in any one of the classified cities including the urban agglomerations. The deduction is admissible in respect of the rent paid in excess of 10% of the total income subject to an over all ceiling of Rs. 1000/-p.m. or 25% of total income, whichever is less. (Section 80GG).
  - (vii) Donation for scientific research, rural development. Deduction in respect of certain donations for scientific research or rural development or conservation of natural resources is available at 100% under Section 80GGA.
  - (viii) Dividend, interest income etc. Income by way of interest on certain deposits, dividend on shares, units etc. is eligible for deduction upto over all ceiling limit of Rs. 13,000/-. (Section 80L).
  - (ix) Specified incomes of Co-operative Societies subject to varying limits and certain conditions (Section 80-P).
  - (x) Remuneration from certain foreign sources in the case of professors, teachers, etc. 50% of such remuneration is eligible for deduction under Section 80R.
  - (xi) Remuneration received for services rendered outside India—The overall ceiling limit is 50% of the remuneration or 75% thereof brought into India in accordance with the foreign exchange regulations, whichever is higher. (Section 80RRA).
  - (xii) Deduction as Rs. 15,000 can be claimed by individuals who are totally blind or permanently physically handicapped or mentally retarded. (Section 80U)
4. The total income chargeable to tax (2—3) is to be given here.
  5. Mention here the total income, as rounded off to the nearest multiple of ten rupees, both in figures and words in the manner provided.
  6. The net agricultural income computed in accordance with Part IV of the First Schedule to the relevant Finance Act is to be given here.
  7. Income arising to other persons and included in the assessee's total income is to be given here.
  8. Give here the name and relationship of such other persons(s).

9. Give details on a separate sheet if any income is chargeable to tax at a special rate e.g. under section 115BB in respect of winnings from lotteries etc., or section 115E in the case of NRIs or at a maximum marginal rate under any other provision of the Act.

Page 4

#### PART-II STATEMENT OF TAXES

1. The total tax payable on the total income is to be given here.
2. Indicate here relief under Section 89(1).
3. Indicate here the balance amount of income tax payable (i.e. 1-2).
4. Give here interests chargeable for late filing of return, default in payment of advance tax or deferment of advance tax separately. These should be computed in the manner laid down in sections 234A, 234B and 234C.
5. The total amount of tax and interest payable (3+4) is to be indicated here.
6. Give the particulars of (a) advance tax instalments and (b) tax deducted at source in the respective columns provided for the purpose.
7. Give details of the tax and interest paid on self assessment (i.e. before filing the return) and also attach challan(s) in support of the amounts so paid.
8. Other pre-paid taxes, if any, are to be indicated here. Please attach proof of such payment.
9. The sum total of tax paid is to be given here (i.e. 6 + 7 + 8).
10. The net tax payable or refundable, as the case may be, is to be indicated here. For indicating refund, precede it by a minus (-) symbol.

#### Part-III

##### INCOME CLAIMED EXEMPT

1. Income claimed exempt should be indicated here. For such item of income claimed exempt, please specify its nature, the amount claimed and the reasons for the claim.

Page 5

#### Part-IV

##### LIST OF DOCUMENTS/STATEMENTS ATTACHED

1. Give here complete particulars of documents/documents attached to the return of income.
2. Read the instructions below the verification carefully before signing it. Fill all the relevant columns in the verification. Give the place and date as indicated.

[No. 8649/F.No. 133/83/90-TPL]  
ARBIND MODI, Under Secy.

